Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 313 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 06 जून 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जहां सत्य होता है, वहां अहिंसा होती है और अहिंसा होने पर हमारा जीवन सुरक्षित होता है।

where there is truth there is non-violence and its presence secures our life.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

प्रधानमंत्री मोदी ने लगाया कच्छ की महिलाओं से मिला सिंदूर का पौधा

कहा- नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का प्रतीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई भी दी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने 7 लोक कल्याण मार्ग पर सिंदूर पौधे को रोपित किया। पीएम को यह पौधा उनकी कच्छ यात्रा के दौरान महिलाओं ने भेंट किया था।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल ही में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। यह पौधा हमारे देश की नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बना रहेगा।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के कच्छ दौरे पर गए थे, जहां उनसे 1971 के युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने वाली वीरांगनाओं ने मुलाकात की थी और इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को सिंदूर का पौधा भेंट किया। इस भाव से प्रभावित होकर पीएम मोदी ने वादा किया था कि वह इसे अपने निवास पर लगाएंगे। उन्होंने अपने वादे को पूरा करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस पर सिंदूर पौधे को 7 लोक कल्याण मार्ग पर लगाया। इससे पहले, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विश्व पर्यावरण दिवस की देशवासियों को शुभकामनाएं दी थीं।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढ़ाई गई

जम्मू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर यात्रा के लिए बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस यात्रा के दौरान वह बहुप्रतीक्षित कश्मीर रेल लिंक का उद्घाटन करेंगे और कटरा में 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। पीएम मोदी 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) के पूरा होने के उपलक्ष्य में वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने से पहले चेनाब पुल और भारत के पहले केबल-स्टेड अंजी पुल का उद्घाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री साय कांकेर में बुढालपेन करसाड़ एवं मांदरी महोत्सव में हुए शामिल

भानुप्रतापपुर और दुर्गकोंदल में गोंडवाना सामाजिक भवन के लिए 25-25 लाख रूपए क घोषणा, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में सहभागिता की अपील

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कांकेर जिले के संबलपुर हाई स्कूल कराठी में आयोजित दो दिवसीय बुढालपेन करसाड़ एवं मांदरी महोत्सव 2025 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यह महोत्सव क्षेत्र की पारंपरिक आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का महत्वपूर्ण आयोजन है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर आदिवासी समाज के आराध्य देव बूढ़ादेव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उत्सव हमारे पूर्वजों की परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस भी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत उन्होंने सभी लोगों से अपनी माता के नाम पर एक पेड़ लगाने की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में भानुप्रतापपुर और दुर्गकोंदल में गोंडवाना समाज के भवन निर्माण के लिए 25-25 लाख रुपये, गोंडवाना समाज के 12 परगना में शेड निर्माण के लिए 10-10 लाख रुपये, 5 सर्कल में शेड निर्माण के लिए 5-5 लाख रुपये, ग्राम पंचायत संबलपुर के भवन निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बादाम का पौधा लगाया

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कांकेर जिले के संबलपुर स्थित हाई स्कूल मैदान परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बादाम का पौधा रोपित किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, यह माता के प्रति श्रद्धा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की संकल्पना है। जब हम अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाते हैं, तो उसमें भावनात्मक जुड़ाव आता है और हम उसकी देखभाल भी पूरे मन से करते हैं।

अब राम लला के साथ करें राम दरबार के दर्शन, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न

अयोध्या (आरएनएस)। अयोध्या में एक नया अध्याय और जुड़ गया। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य मंदिर में राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा की। इस मौके पर वैदिक मंत्रों की ध्वनि चारों दिशाओं में गुंजायमान रही। आचार्यों और संतों का स्वर, शंखध्वनि ने अध्यात्म का माहौल बना दिया। अब लोगों को यहां राम लला के साथ ही उनके भव्य दरबार के भी दर्शन होंगे।

अभिजीत मुहूर्त, वेदघोष और मंत्रोच्चार की ध्वनि के बीच अयोध्या में गंगा दशहरा के अवसर पर श्रीराम दरबार सहित समस्त नवनिर्मित देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हुए इस त्रिदिवसीय अनुष्ठान का यह अंतिम दिन था, जिसमें वैदिक परंपरा और आधुनिक तकनीक का दुर्लभ संगम देखने को मिला।

आयोजन का समापन विशेष आरती और भंडारे के साथ हुआ। बुधवार सुबह प्रात: 6:30 बजे यज्ञमंडप में आह्वानित देवताओं के पूजन के साथ अनुष्ठान की विधिवत शुरुआत हुई। दो घंटे चले इस पूजन के बाद सुबह 9 बजे से हवन प्रारंभ हुआ, जो लगभग एक घंटे तक चला। इसके बाद सभी नवनिर्मित देवालयों में केंद्रीयकृत दृश्य और श्रव्य माध्यमों की सहायता से एक साथ प्राण प्रतिष्ठा का पावन कार्य सम्पन्न हुआ।

अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो दवाइयों की पहुंच : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य विभाग के सभी प्रमुख अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि दवाइयों की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि राज्य में आयुष के जरिए उपचार की बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं, इसे और विस्तारित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आमजन के हित में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा है कि अस्पतालों में मरीजों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित हो और उन्हें अपने घर के आस पास ही अच्छा इलाज मिले।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में हाई कोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान

सीएम-डिप्टी सीएम के खिलाफ शिकायत दर्ज, एजी ने किया कार्रवाई का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्टने गुरुवार को बेंगलुरु के एम चित्रशास्वामी स्टेडियम के बाहर बुधवार शाम को हुई दुखद भगदड़ का स्वत: संज्ञान लिया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 56 लोग घायल हो गए। यह घटना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताब जीत के जश्न के दौरान हुई, जहाँ टीम की सार्वजनिक उपस्थिति की प्रत्याशा में हज़ारों लोग एकत्र हुए थे। न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करने वाले एक वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी, कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की पीठ के समक्ष इस मामले का तत्काल उल्लेख किया। राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अदालत को आश्वासन दिया कि सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

केवीआईसी ने पीएमईजीपी के अंतर्गत 8794 लाभार्थियों को 300 करोड़ रुपए की मार्जिन मनी सब्सिडी संवितरित की

केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने केंद्रीय कार्यालय मुंबई से ऑनलाइन माध्यम से संवितरण किया

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकारद्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत मंगलवार को आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के 8794 लाभार्थियों को 300करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी संवितरित की गई। यह संवितरण करीब 884करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति के सापेक्ष किया गया। यह आयोजन मुंबई स्थित केवीआईसी के केंद्रीय कार्यालय, इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम) से सम्पन्न हुआ, जिसमें केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने लाभार्थियों को सब्सिडी ऑनलाइन माध्यम से जारी की। इस अवसर परकेवीआईसी की सीईओ सुश्री रूप राशिके साथ ही केंद्रीय कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संवितरण कार्यक्रम के अवसर पर अध्यक्ष मनोज कुमार ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन में पीएमईजीपीयोजना ने आज भारत में स्व-रोजगार का एक मजबूत और प्रभावी आधार तैयार किया है। खादी और ग्रामोद्योग आज केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत के सपनों का सार है। इस योजना ने लाखों युवाओं को न केवल रोजगार दिया है, बल्कि उन्हें उद्यमशीलता की शक्ति से भी जोड़ा है।

इस संवितरण में देश के सभी छह जोन की भागीदारी रही। दक्षिण क्षेत्रके आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी के लिए 2445 परियोजनाएं स्वीकृत हुईं, जिसके लिए 80.26 करोड़ रुपये की सब्सिडी संवितरित की गई।मध्य जोन में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड की 2366परियोजनाओं के लिए 91.13 करोड़ रुपये की सब्सिडी संवितरित की गई। पूर्वीभारत में बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल व अंडमान निकोबार और पूर्वोत्तर के असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा के लिए कुल 2167परियोजनाओं कोकरीब 62.68करोड़ की सब्सिडी प्रदान की गई। उत्तर क्षेत्र के हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, राजस्थान की 1320 परियोजनाओं के लिए 41.80 करोड़ रुपयेकी सब्सिडी दी गई।

मुख्यमंत्री साय स्व. रामजीलाल अग्रवाल के शांति मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए

स्वर्गीय श्री रामजीलाल अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की, परिवारजनों से मिलकर शोक-संवेदना प्रकट की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज शाम सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल के पिताजी स्वर्गीय श्री रामजीलाल अग्रवाल के शांति मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय श्री रामजीलाल अग्रवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल और उनके परिवारजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की।

मुख्यमंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल भी कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने भी स्वर्गीय श्री रामजीलाल अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन रायपुर के बेबीलोन इंटरनेशनल होटल में किया गया। सांसद श्री अग्रवाल ने अपने पिता जी स्वर्गीय श्री रामजीलाल अग्रवाल के व्यक्तित्व और कृतित्व तथा प्रेरणादायक जीवन पर प्रकाशित पुस्तक 'हमर सियान' की प्रति मुख्यमंत्री श्री साय को भेंट की।

बिजली ग्राम पंचायत का होगा सर्वांगीण विकास

राज्यपाल ने 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत आम का पौधा रोपण किया

रमेन डेका ने आश्रित गांव मड़वाडीह पहुंचकर ग्रामीणों से की चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका अपने दो दिवसीय गरियाबंद जिला प्रवास कार्यक्रम के दूसरे दिन आज अपने गोद ग्राम पंचायत बिजली के आश्रित गांव मड़वाडीह पहुंचे। उन्होंने स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत आम का पौधा रोपण किया। साथ ही लोगों को जल संरक्षण एवं पर्यावरण के बचाव के लिए वृक्षारोपण करने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम में गांव के सरपंच, पंच एवं ग्रामीणों से आवश्यक चर्चा की। साथ ही बिजली ग्राम पंचायत को गोद लिए जाने के उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए गांव के विकास के लिए तैयार किए जाने वाले रोड मैप के बारे में बताया। ग्राम पंचायत में केन्द्र और राज्य के फ्लैगशिप प्रोग्राम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इसका एक रोडमैप बनाने के निर्देश दिए है। शुरुआत में तीन महीने का प्रोजेक्ट बनाकर इसकी प्रगति की समीक्षा करेंगे। गोद ग्राम पंचायत में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से कार्य पूरे कराए जाएंगे। समाजिक दायित्वों के निर्वहन के तहत जनप्रतिनिधिगण भी इससे जुड़ेंगे। गांव के सर्वांगीण विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्यों की प्राथमिकता तय कर उसे क्रियान्वित किया जाएगा। गांव में ओपन जिम लगाया जाएगा। गांव के विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आमजनों की होगी। राज्यपाल ने कहा कि आने वाले समय में यह गांव आदर्श गांव के रूप में विकसित होगा।

राज्यपाल रमेन डेका ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि गांव की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाएगा। उन्होंने जलस्तर को बनाए रखने, जल स्त्रोत को संवर्धित करने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि पंचायत में 15वे वित्त आयोग की राशि का उपयोग गांव के विकास में उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान महत्वपूर्ण योजना है। इससे पेड़ और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। साथ ही पर्यावरण संरक्षित होता है। उन्होंने सबसे पेड़ लगाने की अपील की। वर्षा जल का संरक्षण करें। उन्होंने सरपंच पंच एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर अपने गांव को अच्छा एवं स्वच्छ गांव बनाने में सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। पीएम आवास, शौचालय की सुविधा का अवलोकन कर लोगों को उपयोग के लिए जागरूक करें।

एनटीपीसी नवा रायपुर में विश्व पर्यावरण दिवस-2025 शपथ और वृक्षारोपण के साथ मनाया गया

इस वर्ष का विषय है- 'वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना'

नवा रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी नवा रायपुर ने 05 जून, 2025 को शपथ और वृक्षारोपण के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पश्चिमी क्षेत्र-II और ऐश एनआई) श्री पी के मिश्रा के नेतृत्व में, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया। इस वर्ष का विषय है- 'वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना'

एनटीपीसी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में, श्री ए.के. शुक्ला, कार्यकारी निदेशक (एश एनआई) और श्री पी.के. मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को क्रमश: हिंदी और अंग्रेजी में पर्यावरण शपथ दिलाई। बाद में, एनटीपीसी के सभी कर्मचारी आईआईआईटी नया रायपुर में आयोजित सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। आईआईआईटी नया रायपुर के डीन (अकादमिक) और रजिस्ट्रार डॉ. श्रीनिवास के जी के साथ संकाय, कर्मचारी और छात्र ने विश्व को हरा-भरा बनाने की हरित पहल में हाथ मिलाया।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इंडेक्स कार्ड एवं सांख्यिकीय रिपोर्टों को त्वरित और तकनीक-सक्षम तरीके से साझा करने की नई प्रणाली विकसित

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्टों को तेज़ी से साझा करने के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्था विकसित की गई है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्तगण डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी की अध्यक्षता में निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन सम्पन्न होने के पश्चात इंडेक्स कार्ड और विभिन्न सांख्यिकीय रिपोर्टों को तैयार करने हेतु एक सुव्यवस्थित, तकनीक-आधारित प्रणाली को लागू किया है। यह उन्नत प्रणाली पारंपरिक मैन्युअल विधियों का स्थान लेती है, जो प्राय: समय लेने वाली और विलंबकारी होती थीं। ऑटोमेशन और डेटा इंटीग्रेशन का लाभ उठाकर यह नई प्रणाली तेज़ रिपोर्टिंग सुनिश्चित करती है।

इंडेक्स कार्ड एक गैर-वैधानिक, निर्वाचन उपरांत सांख्यिकीय रिपोर्टिंग प्रारूप है, जिसे भारत निर्वाचन आयोग (ECI) द्वारा स्वप्रेरणा से विकसित किया गया है, ताकि निर्वाचन से संबंधित डेटा को निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर सभी हितधारकों- जैसे शोधकर्ता, शिक्षाविद्, नीति-निर्माता, पत्रकार और आम जनता के लिए सुलभ बनाया जा सके। इसे उम्मीदवारों, मतदाताओं, डाले गए मतों, गिने गए मतों, दलवार और उम्मीदवारवार मत प्रतिशत, लिंग आधारित मतदान पैटर्न, क्षेत्रीय विविधता और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन जैसे अनेक पहलुओं में आंकड़ों के प्रसार हेतु डिज़ाइन किया गया है। यह इंडेक्स कार्ड लोकसभा चुनावों के लिए लगभग 35 और राज्य विधानसभा चुनावों के लिए 14 सांख्यिकीय रिपोर्टों की आधारशिला है।

इन रिपोर्टों में राज्य/संसदीय क्षेत्र/विधानसभा क्षेत्रवार मतदाता विवरण, मतदान केंद्रों की संख्या, राज्य और निर्वाचन क्षेत्रवार मतदाता टर्नआउट, महिला मतदाताओं की भागीदारी, राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय दलों और पंजीकृत-अपंजीकृत राजनीतिक दलों (RUPPs) का प्रदर्शन, विजयी उम्मीदवारों का विश्लेषण, निर्वाचन क्षेत्रवार विस्तृत परिणाम और सारांश डेटा रिपोर्ट शामिल हैं। यह समृद्ध, डेटा-आधारित संसाधन गहन चुनावी अनुसंधान की क्षमता को सशक्त करता है और एक मजबूत लोकतांत्रिक संवाद में योगदान देता है। हालांकि, ये सांख्यिकीय रिपोर्टें केवल शैक्षणिक और शोध उद्देश्यों के लिए हैं और ये इंडेक्स कार्डों से प्राप्त द्वितीयक डेटा पर आधारित होती हैं, जबकि प्राथमिक और अंतिम डेटा संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा रखे गए वैधानिक प्रपत्रों में निहित होता है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शुक्रवार 06 जून 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

जिले में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत मिनीमाता गार्डन में किया गया वृक्षारोपण

जल संचयन हेतु ली गई शपथ, उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायत सम्मानित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम महाभियान अंतर्गत गुरुवार को मिनीमाता गार्डन मे वन विभाग एवं नगर पालिका बलौदाबाजार द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर दीपक सोनी, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में पार्षद एवं अधिकारियों ने फालदार एवं छायादार पौधे लगाए। इस अवसर पर कलेक्टर दीपक सोनी ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई। मोर गांव,मोर पानी महाभियान अंतर्गत जल संचयन के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायत पनगांव, शुक्लाभाठा एवं गिंडोला के जल संचय वाहिनी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियो को पौधा वितरित किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सोनी ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 5 जून को हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस बार जिला प्रशासन की टीम ने शहर को हरा-भरा बनाने के लिए कार्ययोजना बनाया है जिसमें तालाबों का सौन्दर्यीकरण एवं वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके साथ ही ब्लॉक प्लांटेशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा नगर पालिका बलौदाबाजार में आने वाले समय में बेहतर कार्य होगा, स्वच्छता में भी कार्य होंगे। एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत लगाए गए पौधो की सुरक्षा भी जरुरी है।

नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए आज नगर में बहुत अच्छी शुरुआत हुई है। वृक्ष सुरक्षित रहेंगे तभी हम भी सुरक्षित रहेंगे। जहां भी खाली जगह है वहां पेड़ लगाएं। पेड़ लगाकर उसकी देख भाल भी करनी है।

उन्होने कहा कि वृक्षारोपण के लिए जनता को जागरूक करना होगा और पेड़ों की कटाई रोकना होगा।आने वाले समय में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर शहर को हरा-भरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर में लगे पेड़ पौधों में पानी देने के लिए एक टैंकर और कर्मचारी की भी व्यवस्था की जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम द्वारा आनंद वाटिका में वृक्षारोपण

एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत महापौर ने लगाया कदम का पौधा, पर्यावरण की रक्षा के लिए दिलाई शपथ

विभिन्न प्रजाति के लगभग 7 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आनंद वाटिका में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहॉ महापौर श्री मधुसूदन यादव ने एक पेड़ मॉ के नाम कदम का पौधा लगाकर पर्यावरण की रक्षा के लिए शपथ दिलाए। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ही आज पौधा नही लगाना है, बल्कि हर अच्छे दिन पौधे लगाकर उसकी रक्षा करनी है। एक पेड़ मॉ के नाम लगाने का शासन का उद्देश्य हम सबको भावनात्मक रूप से जोडना है। चुकि मॉ के नाम पेड लगायेगे तो उसकी रक्षा और कर्तव्य का बोध होगा और उसे हर साल बढते हुए देखेंगे तो जीवन में खुशहाली आयेगी और मॉ का आर्शिवाद मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमसे पहली पीढी ने जो पौधे लगाए है उसका फल हम आज पा रहे है, उसी प्रकार आज हम जो पौधे लगाऐगे उसके लिए हमारी आने वाली पीढी हमको धन्यवाद देगी।

महापौर श्री यादव ने कहा कि हमारा राजनांदगांव शहर हरा भरा रहे और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर हो, इस दिशा में हम सब मिलकर काम करेगे। उन्होंने नागरिकों एवं समाज सेवियो, महिला समूहो से आज के शुभ अवसर पर अपील की है कि अपने घर एवं आस पास तथा रिक्त भूमि में पौधे लगाए और उसकी देख भाल करे, क्योकि सभी के सहयोग से ही हम पर्यावरण संरक्षण कर सकते है। उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न स्थानों में इस वर्ष लगभग 7 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जो बिना जन भागीदारी के संभव नहीं है। अत: आप सब वृक्षारोपण में सहयोग कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बने।

आनंद वाटिका में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में महापौर सहित निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री सावन वर्मा, शैकी बग्गा, राजा माखीजा, श्रीमती वर्षा सिन्हा, श्रीमती केवरा राय सहित पूर्व पार्षद श्री शरद सिन्हा, श्री विजय राय व श्री गुरूमुखदास वाधवा, पार्षद प्रतिनिधि श्री पंकज कुरंजेकर, कार्यपालन अभियंता श्री यू.के.रामटेके व श्री संजय वर्मा, सहायक अभियंता श्री प्रणय मेश्राम ने बरगद, पीपल, कदम, गुलमोहर, जामुनिया, मोहगनी एवं स्कोथोडिया प्रजाति के 42 पौधे रोपित किये।

पौध रोपण के पश्चात महापौर श्री यादव ने पर्यावरण की रक्षा के लिए पृथ्वी और उसके प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करने की कोशिश करने, सिंगल यूज प्लास्टिक समाग्री का उपयोग नही करने की शपथ दिलाई।

छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा जशपुर पहुंचें, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया आत्मीय स्वागत

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 17 लाख मानव श्रृंखला बनाया जाएगा

जशपुर (विश्व परिवार)। गुरुवार को जशपुर प्रवास के दौरान विश्राम गृह में छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिंहा का आगमन हुआ। सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत अभिनन्दन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रमों व समस्याओं को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चाएं हुई।

रूपनारायण सिन्हा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्रप्रदेश में शामिल होंगे। और लगभग 17 लाख लोगों द्वारा मानव श्रृंखला बनाया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जशपुर में करने का तय किया गया है। और उन्होंने कहा कि जशपुर का एक अलग ही महत्व है जशपुर सभी तरफ से हरी भरी प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। सभी संगठनों को मिलकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाया है। हर किसी को अपने दैनिक जीवन में योग आयोग को सम्मिलित करना ही चाहिए। उससे स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। जशपुर एक ओक्सीजन जोन तो है ही। साथ ही कार्यक्रम में सम्मिलित हुए सभी लोगों को एक एक वृक्ष का पौधा भी दिया जाएगा। यह जानकारी जिला मीडिया सह प्रभारी दीपक सिंह ने दी।

इस अवसर पर जशपुर विधायक रायमुनी भगत, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत, जिला कार्यालय प्रभारी रूपेश सोनी, सह कार्यालय प्रभारी शरद चौरसिया, विजय सहाय, सुरेश राम भगत भाजपा कार्यकर्ता व एस डी एम ओंकार यादव, तहसीलदार जयश्री पाथे उपस्थित रहे।

कैट ने वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, प्रदेश एक्सक्यूटिव चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री सुरिंदर सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी जी के नेतृत्व में कैट का प्रतिनिधी मंडल माननीय वित्तमंत्री श्री ओ.पी. चौधरी जी से मुलाकात कर ऐसे मामलों में अपील दायर करने में माफी प्रदान करने का अनुरोध, जहां अपील समय पर दायर नहीं की जा सकी और आयुक्त अपील द्वारा समय बीत जाने के कारण खारिज कर दी गई हेतु ज्ञापन सौपा। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी ने बताया कि कैट का प्रतिनिधी मंडल माननीय वित्तमंत्री श्री ओ.पी. चौधरी जी से मुलाकात कर ऐसे मामलों में अपील दायर करने में माफी प्रदान करने का अनुरोध, जहां अपील समय पर दायर नहीं की जा सकी और आयुक्त अपील द्वारा समय बीत जाने के कारण खारिज कर दी गई हेतु ज्ञापन सौपा। उन्होनें बताया कि ज्ञापन के माध्यम से माननीय वित्तमंत्री श्री ओ.पी. चौधरी जी को अवगत कराया गया कि पिछले दो वर्षों में करदाताओं को वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अवधि के लिए लगातार जीएसटी पोर्टल पर नोटिस भेजे गए हैं, लेकिन उन्हें करदाताओं के पंजीकृत ई-मेल पर या करदाता के पंजीकृत पते पर भौतिक रूप से नहीं भेजा गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक मुक्त पृथ्वी हम सभी का संकल्प : आदित्य राजे

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी के मात्र 11 वर्ष की आयु में डॉ. आदित्य राजे सिंह पर्यावरण व योग के क्षेत्र में एक प्रखर नाम बन चुके हैं। 'बाल पर्यावरण मित्र' के रूप में विख्यात आदित्य ने 5 वर्ष की उम्र से ही प्रकृति संरक्षण की दिशा में काम करना प्रारंभ किया था। आज वे छत्तीसगढ़ सहित देशभर में कई पर्यावरणीय अभियानों, परियोजनाओं और जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन कर चुके हैं। महज 10 वर्ष की आयु में पर्यावरण विषय में पीएच.डी. उपाधि प्राप्त कर उन्होंने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्हें यंगेस्ट पीएचडी होल्डर के लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों 2024 मे दी गई।

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए वह छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के अन्य राज्यों में भी सम्मानित किया जा चुके हैं। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं पर बोलते हुए डॉ. आदित्य कहते हैं कि प्लास्टिक वर्षों से हमारी सुविधा का साधन रहा है, लेकिन उतने ही वर्षों से यह पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता आ रहा है। अब समय आ गया है कि हम इस सुविधा को त्याग कर स्थायी और प्रकृति-सम्मत विकल्पों की ओर बढ़ें। उन्होंने ग्रीन एआई यानी पर्यावरण-संवेदनशील तकनीक अपनाने की भी अपील की ताकि तकनीकी और पारिस्थितिक विकास साथ-साथ हो। डॉ. आदित्य ने इस वर्ष का अपना विशेष मिशन भी साझा किया- मुझे भारत सरकार से यह आग्रह करना है कि देश के सभी मिडिल स्कूलों में पर्यावरण, प्रकृति और सतत विकास को एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाए। हम विद्यार्थी ही आने वाले कल की नींव हैं, और हमें आज से ही हरित सोच व जीवनशैली की शिक्षा दी जानी चाहिए। डॉ. आदित्य राजे सिंह न केवल एक बाल वैज्ञानिक, योग प्रशिक्षक व पर्यावरण कार्यकर्ता हैं, बल्कि देश के लिए एक उज्ज्वल और हरित भविष्य की उम्मीद भी हैं।

एजेंसी मेसर्स चंद्र निर्माण प्राईवेट लिमिटेड को निगम ने किया ब्लैक लिस्ट

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत एएचपी घटक में आवास निर्माण एवं बाह्य विकास कार्य हेतु मेसर्स चंद्र निर्माण प्राईवेट लिमिटेड विला नबंर 22 मारूती लाईफ स्टाईल, जिला-रायपुर छत्तीसगढ़ को निविदा के माध्यम से आवास निर्माण के लिए दिनांक 05.05.2018 को कार्यादेश जारी किया गया था। कार्य आदेश जारी होने के तिथि से 18 माह की समय अवधि में कार्य पूर्ण किया जाना था। किन्तु कार्यादेश जारी होने के 7 वर्ष पश्चात भी कार्य अपूर्ण है।

मेसर्स चंद्र निर्माण प्राईवेट लिमिटेड को 894 एवं 1120 युनिट प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान बनाने के लिए कार्य आदेश प्रदान किया गया था। एजेंसी द्वारा 3 माह बिलम्ब से कार्य प्रारंभ किया गया। एजेंसी को शर्त अनुसार कार्य के प्रगति के अनुसार निरंतर राशि का भुगतान किया जाता रहा है। उसके द्वारा मकान निर्माण का कार्य समय अवधि में नहीं किया गया। जिसके कारण प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों द्वारा किश्त की पूर्ण राशि जमा करने के बाद भी मकान निर्धारित समय पर नहीं प्रदान किया जा सका। 420 मकानों में ग्रील, विंडो, दरवाजा, टाईल्स, बिजली, पानी, फिटिंग, पैनल, टैब कनेक्शन, किचन फिटिंग, सैनेटरी फिटिंग आदि नहीं किया गया है। जिससे मकान निवास करने योग्य नहीं बन पाया है। कार्य समय अवधि में पूर्ण करने हेतु समय-समय पर निरंतर पत्र द्वारा सूचित किया जाता रहा। फिर भी एजेंसी द्वारा समय पर कार्य पूर्ण नहीं किया गया। निगम कार्यालय द्वारा एजेंसी को दिये गये 18 नोटिस को अनदेखा करते हुए निर्देशो का पालन नहीं किया गया और आज दिनांक तक कार्य अपूर्ण है। एजेंसी द्वारा केवल 40 हितग्राहियों को मकान पूर्ण करके दिया गया है। दिनांक 15.04.2025 के पश्चात भी कोई मजदूर या मशीनरी कार्य लगाकर एजेंसी द्वारा ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है। समय पर मकान पूर्ण करके नहीं देना छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशो का स्पष्ट उल्लघंन पाया गया। एजेंसी द्वारा उपरोक्त कार्य को पूर्ण करने में रूचि नहीं लेना घोर लापरवाही दर्शित होता है। मेसर्स चंद्र निर्माण प्राईवेट लिमिटेड के मध्य कंडिका क्रं. 1.15 के अनुसार समस्त कार्य आदेश को निरस्त कर दिया गया है। अनुबंध अनुसार निविदाकार द्वारा जमा की गई एवं सुरक्षित राशि राजसात करते हुए नगर पालिक निगम भिलाई के समस्त निविदाओं में भाग लेने से वंचित कर दिया गया है।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.
(A GOVERNMENT OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB)
O/o THE SUPERINTENDING ENGINEER, CC-I, RAIPUR Phone No. 0771-2574800, 2574801Fax No. 0771-2574805
Website - www.cseb.gov.in Office Mail ID – secc.raipur@cspc.co.in

NOTICE INVITING TENDER THROGU E-BIDDING

Tender No.	Name of work	Contract value (Rs. in lacs)	Tender Fee will be submitted online
10-10/PUR/ TR-2025_27 Dt. 05.06.2025 RFX No. 8100043643	Estimate for new 11 KV feeder for load bifurecation of 11 KV Chikni Mandir feeder from 33/11 KV Nagar Nigam sub-station under City Central Dn. Raipur.	4.22	2000/- (Including GST)
10-10/PUR/ TR-2025_28 Dt.05.06.2025 RFX No. 8100043658	Estimate for new service connection of Shri Sanjay Jadwani S/o Shri Sundar Das Jadwani (B.P. No. 1010018014) of Load 15 kw NDLF connection, Near RDA complex, Shastri Chowk Raipur under Shastri Chowk Zone of City Central Dn. Raipur.	5.28	2000/- (Including GST)

Details of Tender, Technical Specifications, Terms and Conditions etc are available on our website www.cseb.gov.in, www.cspdcl.co.in and **ebidding http:/cijsrp.cspdcl.co.in.** Last date and time of submission of bid is **25.06.2025** up to **02:30 P.M.** and due date of opening is on **25.06.2025** at **03:00 P.M.** The Tender document can also be downloaded from CSPDCL's official website mentioned above. The cost of required Tender fee (which is not refundable) of **Rs. 2000/-** including GST and EMD for each tender may be deposited by online through e-bidding.

SAVE ELECTRICITY

Superintending Engineer
City Circle-I, CSPDCL: Raipur

SAMVAD- 44090/ 2

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./21264/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 04-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21264
वार्ड का नाम- 28 - शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235D00270** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SMT. RAJANI DEVI NENANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O GHANSHYAM DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SATBIR SINGH BHATIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O HARVINDER SINGH BHATIA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./21303/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 04-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21303
वार्ड का नाम- 28 - शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235100156** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NARMADA BEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O HARISH KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती लक्ष्मी चौहान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति-श्री फलेन्द्र चौहान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./21261/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 04-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21261
वार्ड का नाम- 28 - शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235D00271** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RITESH NILESH NENANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O GHANSHYAM DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SATBIR SINGH BHATIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O HARVINDER SINGH BHATIA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /21253/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 04-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21253
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802G00180** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **D.B. GURUNG** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKH BAHADUR GURUNG** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RUPENDRA KUMAR VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. SURENDRA KUMAR VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 124 दिनांक 05.06.2025
वार्ड का नाम- संत रविदास वार्ड
वार्ड क्र. 22 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 22 मांग **पंजी क्र. 266 युआईडी 23597** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मो. अजीम/ नई मुल्लाखान** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **1. आनंद कंद चौबे/ ठगई चौबे 2. अभिषेक चौबे/ आनंद कंद चौबे** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-07-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 123 दिनांक 05.06.2025
वार्ड का नाम- माधव राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 20 मांग **पंजी क्र. 423 युआईडी 21708** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अविनाश बिल्डर्स/ आनंद सिंघानिया** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रेणु/ गौरव कुमार** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-07-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा **अवंति विहार तेलीबांधा, रायपुर** में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-40, ब्लॉक-03, प्रथम तल श्रीमती मेघा लाखे चन्द्राकर पति श्री अरविंद चन्द्राकर** के नाम पर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक-5668 दिनांक 12.12.2019 द्वारा नामांतरित है। वर्तमान में नामांतरी **श्रीमती मेघा लाखे चन्द्राकर पति श्री अरविंद चन्द्राकर,** द्वारा आवेदन मय शपथ पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड, विवाह प्रमाण पत्र, निगम टेक्स की रसीद आदि प्रस्तुत कर पूर्नविवाह उपरांत अपने नाम में परिवर्तन कर **श्रीमती मेघा जाऊलकर पति श्री संदेश सुधाकर जाऊलकर, निवासी एच-6/05, सेकेण्ड फ्लोर, जीएडी कालोनी, हाऊसिंग बोर्ड कचना, रायपुर (छ.ग.)** दर्ज कराना चाहती है, जिसके लिए नामांतरी द्वारा इस कार्यालय में आवेदन पत्र मय दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त फ्लैट नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के **15 दिवस** के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय, रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं हर्षा कोसले, उम्र 32 वर्ष, पति सतवंत सिंह कोसले, निवासी-ग्राम भण्डारपुरी पोस्ट भण्डारपुरी, तहसील- आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.), की हूँ जो निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ कि :-

01. यह कि मेरा नाम एवं पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है।

02. यह कि विवाह के पूर्व मेरा नाम हर्षा गिलहरे, पिता गंगाधर गिलहरे, निवासी म.नं. 42 वार्ड नं. 04 भटगांव। तहसील व जिला रायपुर छ.ग. है।

03. यह कि मेरा **डाईविंग लाइसेंस नम्बर- CG-04-20170017558** में हर्षा गिलहरे नाम अंकित किया गया है विवाह के उपरान्त मेरा नाम हर्षा कोसले हो गया है। जो कि ड्राइविंग लाईसेंस में नाम सुधार कराना चाहती हूँ।

04. यह कि **विवाह के बाद मेरा नाम हर्षा कोसले पति सतवंत सिंह कोसले हो गया है। अत: भविष्य में मुझे हर्षा कोसले के नाम से ड्राइविंग लाईसेंस व समस्त दस्तावेजो में मेरा वही नाम अंकित किया जावे।**

मुहर **शपथकर्ती**

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर कृष्ण कुंज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर सूरजपुर वनमंडल अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप वनपरिक्षेत्र सूरजपुर, परिसर सूरजपुर में स्थित ''कृष्ण कुंज'' में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस वर्ष 2025 की थीम ''प्लास्टिक प्रदूषण हटाओ (क्क्द्गड्डह्य क्क्यड्डह्यह्लद्बष् क्कशद्यद्यह्वह्लद्बशठ्ठ) से संबंधित जन-जागरूकता के साथ-साथ विभिन्न प्रजातियों के कुल 200 पौधों का रोपण कृष्ण कंज में जिले के नागरिकगण, जनप्रतिनिधिगण व प्रशासनिक अमले के सहयोग व उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने उद्धबोधन मे प्लास्टिक से होने वाले नुकसान तथा इससे पर्यावरण पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव के संबंध में प्रकाश डाला एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग होते हुये उपस्थित जनता से वृहद मात्रा में वृक्षारोपण करने के संबंध में अपील की।

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने इस अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर एक दीर्घकालिक सामाजिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि जिले में विभिन्न स्थानों पर व्यापक वृक्षारोपण की योजना बनाई गई है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे पर्यावरण के प्रति सजग रहें और अपने आस-पास हरियाली बढ़ाने में प्रशासन का सहयोग करें।

उक्त कार्यक्रम में उपस्थित जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाती सिंह एवं श्री भीमसेन अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम) के द्वारा भी अपने आसपास प्लास्टिक का प्रयोग कम करने व पौधों के रोपण एवं उनकी देखरेख, सुरक्षा के संबंध में उद्बोधन देते हुये अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्रकृति की रक्षा करने के संबंध में अपील किया गया। उपरोक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन, श्री मुकेश गर्ग, श्री संत कुमार साहू, श्री सौभाग्य दुबे, श्री शशीकांत गर्ग, श्री मनोज पाण्डेय, श्री दरोगासिंह, श्री संत सिंह, श्री संदीप अग्रवाल व स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा सूरजपुर वनमंडल सूरजपुर एवं जिला स्तर के अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में सूरजपुर के नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही।

भटगांव में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- नगर पंचायत भटगांव, सूरजपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुष्पवाटिका, भटगांव में आयोजित हुआ, जिसमें नगर पंचायत के पदाधिकारियों, स्थानीय नागरिकों, एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती परमेश्वरी राजवाड़े ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पेड़ लगाकर हम न केवल अपने भविष्य को हरा-भरा बना रहे हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्या से निपटने में भी योगदान दे रहे हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधों*का रोपण किया गया तथा सभी उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। साथ ही, पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी स्थानीय निवासियों एवं संस्थाओं को सौंपी गई, ताकि ये पौधे पेड़ बन सकें। नगर पंचायत भटगांव ने सभी स्थानीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक पेड़ लगाएं तथा पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें।

जिसमें नगर पंचायत भटगांव की अध्यक्ष श्रीमती परमेश्वरी रजवाड़े , उपाध्यक्ष श्री राम फल पैकरा पार्षद वार्ड क्रमांक 11 श्रीमती बबीता, पार्षद वार्ड क्रमांक 14 ओंकार सिंह , पार्षद वार्ड क्रमांक 15 विकाश राजवाड़े, जनप्रतिनिधि श्री रघुवीर सिंह, कमलेश सिंह, श्री सच्चितानंद सिंह ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री राजेश कुशवाहा, उपभियंता श्री नीतीश गुप्ता , लेखपाल श्री प्रशांत आचार्य,श्री दिलीप कुमार , श्रीमती बैजयंती किस्पोट्टा, समस्त कर्मचारी एवं स्वच्छता दीदीयो द्वारा पुष्प वाटिका वार्ड क्रमांक 6 में उपस्थित होकर वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफ्ल बनाया गया एवं पर्यावरण का संदेश जन जन तक पहुंचाया गया

स्वच्छ पर्यावरण और प्लास्टिक मुक्त ग्राम का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छाग्रहियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के एमएलआरएम शेड, सामुदायिक शौचालयों, स्कूल परिसरों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों में वृक्षारोपण कर स्वच्छ, हरा-भरा एवं प्लास्टिक मुक्त ग्राम का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंच-सरपंचों, स्वेच्छाग्रहियों, शिक्षकगणों तथा बच्चों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

इस अवसर पर अधिकारियों ने ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि पेड़-पौधों का रोपण केवल प्रतीकात्मक कार्यक्रम न होकर जीवन रक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। साथ ही प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने की अपील की गई।

सूरजपुर पुलिस का साइबर फ्राड गिरोह पर प्रहार

2 म्यूल खातों से 4,45,551 रूपये का ट्रांजेक्शन, रकम लेकर ठग को खाता का देते थे एक्सेस, म्यूल एकाउन्ट गिरोह को बैंक खाता, एटीएम व सीम उपलब्ध कराने वाला 2 आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- सूरजपुर पुलिस ने साइबर ठगों के नेटवर्क में शामिल 2 आरोपी को पकड़ा है। ये आरोपी साइबर ठगों के लिए म्यूल बैंक अकाउंट, एमटीएम कार्ड व मोबाईल सीम उपलब्ध कराते थे। आरोपियों के ऐसे 02 बैंक अकाउंट की पहचान की गई है, जिसमें 4 लाख 45 हजार 551 रूपये से अधिक का ट्रांजेक्शन हुआ है। आरोपियों के म्यूल बैंक अकाउन्ट नंबरों एवं उनके मोबाईल नंबरों को सीज किया जा चुका है।

भारतीय सायबर अपराध समन्वय केन्द्र (आई फोर सी) द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल (ज्वाईट साइबर क्राईम कार्डिनेशन टीम मैनेजमेंट इन्फारमेंशन सिस्टम) में स्थित विभिन्न बैंक शाखाओं में संचालित लेयर-1 पर कार्यवाही करने के संबंध में पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ से शिकायत प्राप्त हुआ जिसमें म्यूल अकाउंट खाता धारक मुकेश देवांगन निवासी ग्राम केवरा भैयाथान व ग्राम महगंवा सूरजपुर निवासी सूरज प्रसाद सारथी के बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा सूरजपुर के एकाउंट शामील थे।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने ऑनलाईन सायबर फ्राड के शिकायतों का गंभीरता से लेते हुए शिकायत की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो से कराया। जांच उपरान्त साइबर फ्राड से संबंधित शिकायत में महाराष्ट्र बैंक सूरजपुर का खाता मुकेश व सूरज के नाम से होने पर उनके विरूद्ध थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 268/25 धारा 413, 420, 120बी भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

विवेचना के दौरान थाना सूरजपुर पुलिस ने पाया कि म्यूल एकाउंट खाता धारक मुकेश देवांगन व सूरज प्रसाद सारथी के खाते में अलग अलग राज्य से संबंधित सायबर क्राईम में ठगी की गई रकम करीब 4,45,551/- रूपये का लेन-देन किया गया है। विवेचना के दौरान प्रकरण के आरोपी मुकेश देवांगन पिता दरोगू उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम केवरा थाना झिलमिली एवं सूरज प्रसाद सारथी पिता गुरू प्रसाद उम्र 25 वर्ष ग्राम महगंवा, थाना सूरजपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही जारी है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एसआई मनोज सिंह, एएसआई सुमन्त पाण्डेय व उनकी टीम सक्रिय रही।

सरकार द्वारा चलाया जा रहा विकसित कृषि संकल्प अभियान से किसानों को मिल रहा लाभ - कृषि मंत्री रामविचार नेताम

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर(ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार)- आज प्रतापपुर के आ.जा.से.सह. समिति में आयोजित विकसित कृषि संकल्प कार्याक्रम में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जहां उन्होंने कृषक बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार कृषि और इससे जुड़े इससे क्षेत्रों फसलों का उत्पादन बढ़ाने में तैयार है। उन्होंने कहा सरकार की ओर से चलाया जा रहा विकसित कृषि संकल्प अभियान हमारे क्षेत्र के किसानों के लिए निसंदेह फायदेमंद होगा। उन्होंने आगे कहा इस अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार के कृषि वैज्ञानिक किसानों से सीधा संवाद कर रहे हैं। वे उन्नत और संतुलित कृषि की जानकारी किसानों को दे रहे हैं। यह अभियान किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कृषि में विविधिकरण को बढ़ावा देने वाली तकनीकों प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन का उपयोग, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन इत्यादि, प्रमुख विषयों पर कृषकों को जानकारी देने के लिए यह अभियान बहुत उपयोगी साबित होगा। इस अभियान के तहत इन सभी विषयों पर किसानों के साथ चर्चा हो रही है और उनकी जिज्ञासाओं का उपयुक्त समाधान भी संबंधित विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। इस अभियान का त्वरित लाभ किसानों को आगामी खरीफ की फसलों पर होगा।

मंत्री श्री रामविचार नेताम द्वारा पर्यावरण दिवस पर समिति परिसर में आम का पौधे भी रोपण किया गया। कार्यक्रम में मंत्री श्री रामविचार नेताम द्वारा किसानों से खेती के संबंध में विशेष चर्चा की गई। मंत्री ने दलहन-तिलहन क्षेत्र विस्तार, गन्ना क्षेत्र विस्तार, पी.एम. किसान योजनान्तर्गत शतप्रतिशत किसानों को लाभांवित करने, स्वायल हेल्थ कार्ड योजनान्तर्गत शतप्रतिशत लाभ दिलाने, अदरक की खेती को बढ़ावा देने, सरसों क्षेत्र विस्तार, मिलेट की खेती को बढ़ावा देने एवं नकली खाद-बीज विक्रय करने वाले निजी एवं सहकारी दूकानों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। शिविर में 50 स्वायल हेल्थ कार्ड, 05 स्प्रेयर, 04 पेट्रोल पम्प, 08 के.सी.सी., 06 नलकूप हेतु अनुदान किसान समृद्धि योजनान्तर्गत पंजीयन, 15 किसानों को बीज, 12 किसानों को खाद, 205 फलदार पौधे एवं 3506 विभागीय योजनाओं के पम्पलेट वितरण किया गया। शिविर में लगभग 612 किसान शामिल हुए थे। शिविर में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने जिले के किसानों से विकसित कृषि संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता कर, उन्नत खेती अपनाने और शासन की योजनाओं का लाभ लेते हुए अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, प्रतापपुर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानती सिंह, जरही नगर पंचायत अध्यक्ष श्री पूरन राजवाडे व अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन दो पालियों में किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक और आधुनिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराना, उनकी समस्याओं का समाधान करना और नवीन तकनीकों के प्रति जागरूक करना रहा।

पूर्वांह में तीन स्थानों पर लगे शिविर

प्रात:कालीन सत्र में प्रतापपुर, नवापारा और रामानुजनगर में शिविर आयोजित किए गए। प्रतापपुर शिविर में प्रतापपुर, डुमरखोली, बरौल, शिवपुर, बैकोना, रामपुर, खजुरी, अमनदोन, करंजवार, खोरमा, खैराडीह, सिलौटा सेमरा कला, सतौर और गोटगवां ग्रामों के कृषक शामिल हुए। नवापारा शिविर में नवापारा, खड़गवां, सोनपुर, बिरमताल, जूर डबरीपारा और गंगौटी ग्रामों के किसान पहुंचे और रामानुजनगर शिविर में रामानुजनगर, सरईपारा, कौशलपुर, शिवपुर ग्रामों के कृषक शामिल हुए।

अपरांह में आयोजित हुए तीन और शिविर दोपहर के सत्र में मानी, सोनपुर बंजा और पतरापाली में शिविर लगाए गए। मानी शिविर में मानी,खुंशी,पहिया, मझगवां, लोलकी, रमगवां के किसान उपस्थित रहे। सोनपुर बंजा शिविर में बंजा, शिवप्रसादनगर, बांसापारा और भवराही ग्राम शामिल थे। पतरापाली शिविर में पतरापाली,अक्षयपुर, द्वारिकापुर, दवना, पम्पानगर, पटना, साल्ही, राजापुर, जगरनाथपुर, रामपुर, सेन्दुरी और सागरपुर ग्रामों के किसान पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन एवं क्रेडा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक की गई

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- आज कलेक्टर श्री एस जयवर्धन द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन एवं क्रेडा विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए हर घर जल सुनिश्चित करवाने के दिए निर्देश। इस दौरान ईई लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ,जलसंसाधन विभाग और क्रेड़ा विभाग के अधिकारी सहित विभाग के अभियंता एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान सिंगल विलेज और मल्टी विलेज स्कीम के तहत टंकी निर्माण, पाइप लाइन विस्तारीकरण की जानकारी लेते हुए मिशन के कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान मिशन की सफलता के लिए क्रियान्वित किए जा रहे कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में उपस्थित अधिकारियों, अभियंता और ठेकेदारों से चर्चा की । इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समस्या का त्वरित निपटान के निर्देश दिए। इस दौरान ईई जलसंसाधन से पानी के विभिन्न स्रोतों के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जलजीवन मिशन के लिए जल आपूर्ति के लिए पानी की उपलब्धता के संबंध में चर्चा की। इसके अलावा जलजीवन मिशन अंतर्गत गांवों में क्रेड़ा विभाग से सौर ऊर्जा आधारित जलापूर्ति अवसंरचना निर्माण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने विभागों को निर्देशित करते हुए हर घर जल आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए हर घर जल सर्टिफिकेशन करवाने के दिए निर्देश। उन्होंने मल्टी विलेज और सिंगल विलेज स्कीम के अंतर्गत बचे हुए कार्यों को जल्द पूरा करते हुए जलापूर्ति सभी गांव में सुनिश्चित करने के लिए उपस्थित ठेकेदार को निर्देश दिए। इस दौरान गांव वालों द्वारा नलों को खोल कर पानी बर्बादी करने, जलापूर्ति पाइपलाइन से पंप के द्वारा पानी की निकासी करने जैसे शिकायत प्राप्त होने पर उन्होंने इसके लिए उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा जारी एक्टिविटी कैलेंडर में दिए गए दिशानिर्देशों और माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर के मार्गदर्शन में, आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और हरित भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देने के उद्देश्य से किया गया था। इस पुनीत कार्य में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर, माननीय श्री मानवेन्द्र सिंह, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सूरजपुर ने स्वयं वृक्षारोपण कर कार्यक्रम की शुरूआत की उनके साथ कुमारी रूपल अग्रवाल, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कुमारी हिमांशी सराफ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सूरजपुर भी उपस्थित थीं. जिन्होंने सक्रिय रूप से पौधे लगाए। न्यायालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में अन्य प्रमुख हस्तियों में श्री हृदय नारायण श्रीवास्तव, चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल श्री संजय श्रीवास्तव, न्यायालय अधीक्षक, और श्री अमित ताम्रकर, कोर्ट मैनेजर, शामिल थे, सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर न्यायालय परिसर को और अधिक हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दिया। वृक्षारोपण के माध्यम से, सभी गणमान्य व्यक्तियों ने समाज को यह महत्वपूर्ण संदेश दिया कि पर्यावरण का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, पेड़-पौधे न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते है, बल्कि वे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने और जैव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शुक्रवार 06 जून 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

अब तीसरी बड़ी आर्थिकी की डगर

डा. जयंतीलाल भंडारी

जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना जैसे रणनीतिक कदमों से आर्थिकी की चमक बढ़ेगी हाल ही में 24 मई को नीति आयोग ने बताया कि जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आगामी 2.5 से 3 सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए भी दिखाई दे सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 26 मई को दुनिया के ख्याति प्राप्त अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने कहा कि जापान को पछाड़ते हुए चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत की एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। वास्तव में भारत के विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में आगे बढने के पीछे जो प्रमुख कारण हैं, उनमें 140 करोड़ की जनसंख्या, देश के मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत आर्थिक नीतियां शामिल हैं। साथ ही इस समय भारत जिस ऊंची विकास दर और आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है, उससे भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए भी दिखाई देगा। गौरतलब है कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर भारत को कई चुनौतियों से मुकाबला करते हुए आगे बढना होगा। वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तथा बढ़ते हुए व्यापार घाटे जैसी चुनौतियों से भारत को निपटना होगा। खास तौर से भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढना जरूरी है। चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करना होगा। हाल ही में प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। इतना ही नहीं, चिंताजनक यह भी है कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढक़र 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढक़र 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 26 मई को प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के दाहोद में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आयातित वस्तुओं की खरीदी की बजाय देश में उत्पादित उत्पादों को खरीदने का संकल्प लेना चाहिए। यह देश की प्रगति के लिए जरूरी है। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। जहां एमएसएमई देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई को उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। नि:संदेह देश को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति अहम होगी। भारत के द्वारा विगत 6 मई को ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमरीका और यूरोपीय यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढना होगा। इस समय भारत और अमरीका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है और 8 जुलाई से भारत और अमरीका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता लागू हो सकता है। हाल ही में अमरीका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमरीका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी वार्ता करते हुए द्विपक्षीय कारोबार समझौते को तेजी से अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फकंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफ्टीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) की भूमिका भी प्रभावी होगी। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसीए लैडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी का बाजार आकार 5.4 लाख करोड़ रुपए का है और यह 2030 तक 8.4 लाख करोड़ रुपए का होगा। दुनिया के 50 प्रतिशत जीसीसी सिर्फ भारत में हैं। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान एक प्रतिशत है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा। ऐसे में भारत को सेवा निर्यात और तेजी से बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। यह बात ध्यान में रखी जानी होगी कि अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में भी लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में तेजी से वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता तथा सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करना होंगे। नि:संदेह मई 2024 में दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिकी बने भारत को आगामी ढाई से तीन साल में तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने के मद्देनजर सरकार के द्वारा अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना होगा। अब टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा, अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर भी ध्यान दिया जाना होगा। कृषि तथा श्रम सहित अन्य सुधारों के क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। भारत में आत्म निर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल मंत्र को बढ़ाना होगा। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे। जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना, लॉजिस्टिक लागत में कमी, गतिशक्ति योजना का तेज क्रियान्वयन, व्यवसाय करने की प्रक्रिया की सरलता जैसे रणनीतिक कदमों से भारत की आर्थिकी की चमक बढ़ाई जा सकेगी।

कैडर अफसरों को जायज हक

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के कैडर अधिकारियों के मनोबल को बढ़ाने वाले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने इन बलों में आईपीएस अधिकारियों की तैनाती में संतुलन रखने का रास्ता खोल दिया है। अदालत ने इन बलों में महानिरीक्षक स्तर तक के आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति दो वर्षों में 'उत्तरोत्तर' करने का आदेश दिया है ताकि कैडर अधिकारी अपने जायज हक से वंचित न हों और उन्हें पदोन्नति के अधिक अवसर मिलें। अपने ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने माना है कि सीएपीएफ में कैडर अधिकारियों की पदोन्नति में विलंब से उनके मनोबल पर प्रभाव पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इन बलों की बहुप्रतीक्षित कैडर समीक्षा छह महीने में करने को कहा है जिस पर शीर्ष अदालत ने ही 2020 में रोक लगा दी थी। इन बलों के हजारों अधिकारियों ने गृह मंत्रालय से उनमें से प्रत्येक को संगठित समूह ए सेवा (ओजीएएस) के रूप में मानते हुए कैडर समीक्षा की मांग की थी, ताकि समय पर पदोन्नति में देरी से संबंधित उनके मुद्दे का समाधान किया जा सके। पीठ ने कहा कि जब सीएपीएफ को ओजीएएस घोषित किया गया है, तो ओजीएएस को उपलब्ध सभी लाभ स्वाभाविक रूप से सीएपीएफ का भी मिलने चाहिए, यह नहीं हो सकता कि उन्हें एक लाभ दिया जाए और दूसरे से वंचित रखा जाए। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि चूंकि भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (महानिरीक्षक रैंक) तक के पदों पर आसीन हैं, इसलिए उनकी पदोन्नति की संभावनाएं 'बाधित' हो रही हैं, जिससे सेवा पदानुक्रम में ठहराव आ रहा है। इसे स्वीकार करते हुए पीठ ने आदेश दिया, 'सभी सीएपीएफ में कैडर समीक्षा, जो वर्ष 2021 में होनी थी, आज से छह महीने की अवधि के भीतर पूरी की जाए।' उम्मीद है कि इस फैसले से पांचों केंद्रीय पुलिस बलों-सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी के कैडर अफसरों को उनका जायज हक मिलेगा और उनकी कर्तव्य भावना और मजबूत होगी। मंत्रालय ने अपने वकील के माध्यम से कहा कि चूंकि ये बल विभिन्न राज्यों में तैनात हैं, इसलिए आईपीएस अधिकारी सीएपीएफ के प्रभावी संचालन के लिए 'आवश्यक' हैं, जिससे संबंधित राज्य सरकारों और उनके संबंधित पुलिस बलों के साथ सहयोग की सुविधा मिलती है, जिससे संघीय ढांचे को संरक्षित किया जा सकता है।

आलेख

अब इसराइल के लोग भी नहीं चाहते कि गाजा में युद्ध हो, क्योंकि विश्व में अलग थलग पड़ने का खतरा

अजय दीक्षित

जिस तरह की खबरें आ रही हैं वह यह दर्शाती हैं कि इसराइली भी नहीं चाहते कि गाजा में युद्ध हो क्योंकि गाजा में अब जेनोसाइट, भुखमरी,हो रही है इसे कोई भी सभ्य समाज स्वीकार नहीं करेगा लेकिन इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू विश्व बिरादरी की छोड़ो अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की भी नहीं मान रहे हैं। जेनोसाइट माने नरसंहार बताया जाता है कि 2023 से हमास इसराइल युद्ध में 15000 पालिस्तीनी और 1500 इसराइल के लोग मारे गए हैं। जबकि हमास ने 52 इसराइली लोगों को बंधक बना रखा है। गाजा में भी पालिस्टिनियों को इसराइल की सेना ने गोलान पहाड़ियों पर खदेड़ दिया है जबकि वे पूरी गाजा पट्टी में रहते थे। कुलमिलाकर पालिस्तीनी नागरिकों के लिए गोलान पहाड़ियों ही बच्ची बाकी पूरे देश पर इसराइल सेना का कब्जा है।अभी मानव अधिकारों का एक संगठन युद्ध क्षेत्र में गया और उसके साथ अंतरास्ट्रीय प्रेस भी थी लेकिन इसराइल सेना ने इस प्रतिनिधित्व को गाजा के उस भाग में नहीं जाने दिया गया है। बताया जाता है कि पूरा गाजा शहर भुतहा शहर बन गया है कोई भी इमारत बच्ची नहीं है। खंडहर बन गया है गाजा। इसराइल के पुर्व प्रधानमंत्री अलमारे ने कहा है कि अब इज़राइल को युद्ध रोक देना चाहिए उन्होंने कहा कि युद्ध कभी नियम, कायदे, कानून,होते हैं।दरअसल अब बिना किसी उद्देश्य के युद्ध लड़ा जा रहा है।जबकि यूएनओ, यूएसए, सहित अन्य इसराइल समर्थक देशों ने भी युद्ध समाप्त कर ने का सुझाव दिया है। इजरायली नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अगर युद्ध बंद नहीं किया तो इसराइल में सैनिक विद्रोह हो सकता है। और विश्व में उसकी स्थिति ऐसी हो सकती है जैसे रंगभेद के समय 1991से पहले साउथ अफ्रीका की हो गई थी जिसमें सभी देशों ने साउथ अफ्रीका को अलग कर दिया था। आखिर नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा करना पड़ा और नए चुनाव हुऐ, रंगभेद नीति खत्म हुई तब साउथ अफ्रीका बापिस मुख्य धारा में आया। गाजा में जो कुछ घटित हुआ है उसके लिए हमास भी जिम्मेदार है लेकिन गाजा में हुए जीनोसाइट से पश्चिमी देश, अमेरिका पल्ला नहीं झाड़ सकते क्योंकि इजरायल को हथियार तो इन देशों ने मुहैया कराए हैं। पूरी दुनियां में ईसाइयत के बाद इस्लाम के अनुयाई ही सबसे अधिक है। जबकि इसराइल यहूदी देश है। ईसाइयत और यहूदियों में अधिक अंतर नहीं है बताया जाता है कि ईशा मसीह की मां मेरी यहूदी थी ।इस लिए पश्चिमी देशों का समर्थन इज़राइल को मिलता है। और इनके ही दम पर छोटा सा देश इज़राइल ने मध्य एशिया में मुस्लिम देशों जैसे लीबिया सीरिया लेबनान को पानी पिला दिया है।बताया जाता है कि 2023 से हमास इसराइल युद्ध में 15000 पालिस्तीनी और 1500 इसराइल के लोग मारे गए हैं। जबकि हमास ने 52 इसराइली लोगों को बंधक बना रखा है। गाजा में भी पालिस्टिनियों को इसराइल की सेना ने गोलान पहाड़ियों पर खदेड़ दिया है जबकि वे पूरी गाजा पट्टी में रहते थे। कुलमिलाकर पालिस्तीनी नागरिकों के लिए गोलान पहाड़ियों ही बच्ची बाकी पूरे देश पर इसराइल सेना का कब्जा है।अभी मानव अधिकारों का एक संगठन युद्ध क्षेत्र में गया और उसके साथ अंतरास्ट्रीय प्रेस भी थी लेकिन इसराइल सेना ने इस प्रतिनिधित्व को गाजा के उस भाग में नहीं जाने दिया गया है। हालांकि पालिस्टिन भी कम जिम्मेदार नहीं है गाजा में जो युद्ध चल रहा है वह हमास ने ही शुरू किया था 2023 में एक दिन में 1000से अधिक इजरायलियों को हमला कर मौत के घाट उतार दिया गया था लेकिन इसके बाद इज़राइल ने पूरे गाजा को खंडहर बना दिया और 15000 फलस्तीनी को मार डाला था।हमास के सुप्रीम कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया था।हमास एक तरह का आतंकवादी संगठन है जैसे आई एस आई एस , अलकायदा,जैसे ए तैयबा, हिजबुल, लश्कर ए तैयबा, बलूच आर्मी,यहां तक कि तालिबान भी एक आतंकवादी संगठनों में आता है। इस्लामिक देशों में बंदूक के बल पर शासन किया जाता है। इसी लिए इस्लामिक देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं कायम रह सकती है।

हर लड़की और महिला के जीवन का हिस्सा पीरियड्स

बंदना प्रेयसी

सदियों से एक लड़की की माहवारी ऐसा विषय रहा जिसे उसे छिपाना पड़ता था। फुसफुसाहटें, झिझक और चुप्पी-ये सब उस प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया के साथ जुड़ गई, जो हर लड़की और महिला के जीवन का हिस्सा है, लेकिन आज बिहार में यह खामोशी टूट रही है-और उसकी जगह ले रही है एक सशक्त आवाज। मासिक धर्म स्वच्छता, जिसे अब तक सार्वजनिक नीति और सामाजिक दायरे के बाहर रखा गया था, अब हमारे स्कूलों, सामुदायिक भवनों, सरकारी कार्यालयों और सबसे महत्त्वपूर्ण हमारे घरों में प्रवेश कर रही है। यह सिर्फ सैनिटरी पैड्स की उपलब्धता या शौचालयों की सुविधा की बात नहीं है-यह एक सामाजिक परिवर्तन है, जो हमारी बेटियों और महिलाओं के प्रति हमारे व्यवहार को सिरे से बदल रहा है। देश-समाज के लिहाज से इस बदलाव के बहुत मायने है। क्योंकि अगर लड़कियां गरिमा के साथ अपनी माहवारी को संभाल सकती हैं, तो वे स्कूल में आसानी से पठन-पाठन कर सकती हैं। जब महिलाओं को स्वच्छता की सुविधा मिलती है, तो वे पूरी क्षमता से कार्यस्थल, समाज और जीवन में अपने दायित्वों का निर्वाहन करती है।

जब समुदाय बेझिझक, बिना शर्म के मासिक धर्म पर खुलकर बातचीत करता है तो इसका सकारात्मक प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता पर तो पड़ता ही है यह समाज बनने के रूप में भी फलीभूत होता है। दरअसल, यह केवल स्वच्छता की ही नहीं बल्कि न्याय की भी बात है। इस लिहाज से बिहार की प्रगति उल्लेखनीय है। भारत सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता योजना और बिहार सरकार के समर्पित प्रयासों के तहत, राज्य में स्वच्छ तरीकों से माहवारी प्रबंधन करने वाली युवतियों की संख्या (एनएफएचएस-4) के 31 प्रतिशत से बढ़कर (एनएफएचएस-5) में लगभग 59 प्रतिशत हो गई है, यानी दोगुनी। यह प्रगति राष्ट्रीय औसत (57.6 प्रतिशत से 77.3 प्रतिशत) की तुलना में भी उल्लेखनीय है। ये महज आंकड़ें नहीं हैं बल्कि हमारे सामूहिक प्रयासों की पहचान है। वे सामूहिक प्रयास जिसमें फ्रंटलाइन आशा कार्यकर्ता, शिक्षक, माता-पिता और खुद लड़कियों की सहभागिता से ही बदलाव संभव हुआ है। ये उपलब्धियां शानदार हैं, लेकिन अभी हमारा काम पूरा नहीं हुआ है। सुलभ सैनिटेशन मिशन के हालिया अध्ययन (2023-24) के अनुसार, खगड़िया और कटिहार में आधे से अधिक महिलाओं को अपने पिछले मासिक चक्र में आवश्यक साधन उपलब्ध नहीं थे, और 62 प्रतिशत के पास उन्हें सुरक्षित रूप से फेंकने की जगह तक नहीं थी। ये आंकड़े केवल सेवाओं की कमी को नहीं दर्शाते, बल्कि एक गहरे मसले को उजागर करते हैं- महिलाओं के पास अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार विकल्प चुनने की आजादी नहीं है, उन्हें गरिमा से जीने का अधिकार नहीं मिलता, और उनकी आवाज समाज में सुनी नहीं जाती।

इसीलिए बिहार का मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन रोडमैप (202225) केवल एक नीति नहीं-यह एक वादा है। यह एक ऐसा समन्वित प्रयास है जिसमें मासिक धर्म को एक 'साइड इश्यू' नहीं, बल्कि न्यायसंगत बिहार की परिकल्पना का मूल माना गया है। इसमें स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा से जुड़ता है, ग्रामीण विकास स्वच्छता के साथ मिलकर काम करता है। इसी का परिणाम है कि जमीनी स्तर पर वास्तविक परिवर्तन संभव हो पाया है। यूनिसेफ के सहयोग से स्कूलों में हमने 'सहेली कक्ष' की शुरुआत की है। सहेली कक्ष दरअसल ऐसा सुरक्षित स्थान है जहां लड़कियां विश्राम कर सकें, कपड़े बदल सकें और आत्मविश्वास के साथ अपनी माहवारी का प्रबंधन कर सकें। अररिया और पूर्णिया के 50 से अधिक सरकारी स्कूलों में यह कक्ष बन चुके हैं, इसके अलावा अन्य स्कूलों में कक्ष बन रहे हैं, लेकिन सुरक्षित स्थान केवल दीवारों तक सीमित नहीं-वे शिक्षकों, सहपाठियों और समुदाय के नजरिए में भी परिलक्षित होना चाहिए। हमने मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) सरीखे कार्यक्रमों को भी मासिक धर्म स्वच्छता के लक्ष्यों से जोड़ने का प्रयास किया है। इन योजनाओं की क्षमताएं असीमित हैं, लेकिन तभी जब अंतिम छोर तक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता संग सेवाएं पहुंचे। नीति और जनता के बीच की दूरी कम होनी चाहिए। और यह केवल 'महिलाओं का मुद्दा' नहीं है। जब समुदाय बेझिझक, बिना शर्म के मासिक धर्म पर खुलकर बातचीत करता है तो इसका सकारात्मक प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता पर तो पड़ता ही है यह समाज बनने के रूप में भी फलीभूत होता है। दरअसल, यह केवल स्वच्छता की ही नहीं बल्कि न्याय की भी बात है। इस लिहाज से बिहार की प्रगति उल्लेखनीय है। भारत सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता योजना और बिहार सरकार के समर्पित प्रयासों के तहत, राज्य में स्वच्छ तरीकों से माहवारी प्रबंधन करने वाली युवतियों की संख्या (एनएफएचएस-4) के 31 प्रतिशत से बढ़कर (एनएफएचएस-5) में लगभग 59 प्रतिशत हो गई है, यानी दोगुनी। यह प्रगति राष्ट्रीय औसत (57.6 प्रतिशत से 77.3 प्रतिशत) की तुलना में भी उल्लेखनीय है। पुरुष और लड़के, पिता और भाई, शिक्षक और पंचायत प्रतिनिधि-हर आवाज महत्त्वपूर्ण है। जब वे आगे आते हैं, सुनते हैं, और साथ खड़े होते हैं, तो वे शर्म और संकोच के बंधन को तोड़कर विश्वास की डोर को मजबूत करते हैं। यही समावेशिता का असली चेहरा है। आगे बढ़ते हुए, यह सुनिश्चित करना होगा कि हर आंगनबाड़ी केंद्र में किशोरियों को सहयोग देने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी हों। हर स्वास्थ्य कार्यकर्ता माहवारी पर संवेदनशीलता और आत्मविश्वास से बात कर सके, और हर स्कूल माहवारी को जीवन का हिस्सा माने-कक्षा छोड़ने का कारण नहीं। रोडमैप विकसित होता रहेगा। योजनाएं परिणाम देती रहेंगी।

विकास के विनाशकारी प्रभाव.....

कुलभूषण उपमन्यु

ग्लेशियर पिघलने से लाखों सालों से दबे कई तरह के वायरस भी प्रकट हो रहे हैं जिनके बारे में कोई समझ अभी विकसित होना कठिन है। वन्य प्राणियों के शरण स्थल वन घटते जा रहे हैं मानव समाज ज्यों ज्यों विकसित होता जा रहा है त्यों त्यों प्रकृति प्रदत्त जीवनदायी तत्वों का विनाश बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि प्रकृति मित्र विकास के मॉडल विकसित करने के दावे और प्रयास किए जा रहे हैं, किन्तु जिस गति से प्रकृति का विनाश किया जा रहा है, उसकी भरपाई करना असंभव होता जा रहा है। हवा, पानी और भोजन जीवन की सबसे मूल जरूरतें हैं। हवा प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि विश्व के अनेक क्षेत्र गैस चैंबर बनते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते धरती पर पानी के भंडार खतरे में पड़ गए हैं। हिमनदों के पिघलने की गति बढ़ती जा रही है जिसके चलते आने वाले 40-50 वर्षों में ग्लेशियर समाप्त होने के कगार पर होंगे। अमरीका के रौकिज से लेकर यूरोप की ऐल्प्स, काकेशस, और भारत की हिमालय पर्वत श्रृंखलाएं हिमनद विहीन होने वाली हैं। विज्ञान पत्रिका 'साइंस' के मुताबिक यदि हम वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति के बाद से 2 डिग्री सेंटी ग्रेड के भीतर नहीं रोक सके तो विश्व के ग्लेशियरों में सदी के अंत तक 10-15 फीसदी ही बर्फ बची रहेगी। इससे पानी की आपूर्ति करने वाली सदानीरा नदियां मौसमी बन कर रह जाएंगी जिनमें बारिश होने पर ही पानी होगा, या थोड़ा बहुत वनों द्वारा संरक्षित जल पर ही आबादी को निर्भर रहना पड़ेगा। भूजल की स्थिति भी अच्छी नहीं है। भारत में 45 फीसदी क्षेत्र भूजल के अधिक दोहन के कारण लाल सूची में आ गए हैं। हिमनदों के जल्दी पिघलने के कारण हिमालयी क्षेत्रों में हिमनद जनित झीलें बन रही हैं। हिमनदों की बर्फ कच्चे मलबे के साथ टूट कर पर्वतीय संकरी घाटियों में गिर कर बर्फीले मलबे के बांध बना देती है, जिसमें हिमनदों का पानी जमा होता रहता है और जब पानी की मात्रा बांध की दीवार की झेलने की शक्ति से ज्यादा हो जाती है, तब ये हिमनद बांध टूट कर निचले क्षेत्रों में बाढ़ लाकर भारी तबाही का कारण बनते हैं। हिमाचल में 90 के दशक में पार्च्छू से आई बाढ़ और उत्तराखंड में विष्णुगाड़ बाढ़ ताजा उदाहरण हैं। हिमालय में इस समय 28000 के करीब हिमनद झीलें बन चुकी हैं जिनमें से बहुत सी खतरनाक साबित हो सकती हैं। उपजाऊ जमीनें अत्यधिक उपज लेने के चक्कर में रासायनिक खादों और कीटनाशक और

खरपतवार नाशक दवाइयों के प्रयोग के कारण अपनी शक्ति खोती जा रही हैं। यानी जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी तीनों तत्व खतरे की चपेट में हैं। और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं का क्रम भी बढ़ता जा रहा है। अति वृष्टि और अनावृष्टि का क्रम आम हो गया है। इस वर्ष हिमाचल में मार्च में औसत से कम बारिश हुई है। जब बारिश होती है तो बहुत भारी बारिश होती है। हिमाचल और उत्तराखंड में पिछले दो वर्षों से बरसात में भारी तबाही हो रही है। गत वर्ष हिमाचल में 450 के लगभग लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन गए थे। इस वर्ष मई महीने में ही कुल्लू और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे जन-धन की हानि हुई है। भारतीय ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद ने इस वर्ष देश के 57 फीसदी जिलों को जिनमें 76 फीसदी आबादी का निवास है, अत्यंत भीषण गर्मी की चपेट में आने की चेतावनी दी है। 1993 से 2022 के बीच मौसम खतरा सूचकांक 2025 के अनुसार मौसम की भारी मार झेलने वाले देशों में भारत छठे स्थान पर है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 2012-22 के बीच 55 फीसदी तहसीलों में बारिश में भारी वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण ही यह स्थिति बनी है। तापमान में वृद्धि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि के कारण हुई है। इन गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि अंधाधुंध निर्माण कार्यों में वृद्धि के कारण हुई है। अत्यधिक ऊर्जा की मांग के कारण जीवाश्म ईंधनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। निर्माण कार्यों के कारण ग्रीन हाउस गैसों को प्रचूषित करके नियंत्रण करने वाले वनों का भी बहुत कटान हो रहा है। भारतवर्ष चीन और अमरीका के बाद सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश बन गया है। गत वर्षों में भारत कोयले के खनन को लगभग 5 फीसदी बढ़ा चुका है। जरूरत तो इसे कम करते जाने की है। हालांकि स्वच्छ ऊर्जा के लिए सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अच्छे प्रयास हुए हैं। 2015 में सौर ऊर्जा का कुल ऊर्जा उत्पादन में योगदान 0.5 से बढ़ कर 5.8 फीसदी हो गया है। इस समय भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 73 गीगावाट है, जो विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है। किन्तु 70 फीसदी ऊर्जा जरूरतें अभी भी कोयले से पूरी की जा रही हैं। इसे लगातार कम करने की जरूरत है। अत्यधिक बनावटी मांग पैदा करना एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। पूरा मीडिया इसी काम में लगा रहता है। उत्पादन प्रक्रिया का फ्लसफा अमरीकी फ्लसफे पर आधारित होता जा रहा है, जिसमें 'यूज एंड थ्रो' का सिद्धांत सर्वोपरि है। पुराने समय में उत्पाद ऐसे होते थे जिनकी मरम्मत करके सालों साल प्रयोग किया जा सकता था। मरम्मत करने वाले लोगों की एक बड़ी फौज को रोजगार भी मिलता था।

संक्षिप्त समाचार

काबिल व्यक्ति अपने कर्मों से बोलता है, न कि शोर से : मुनिश्री सर्वार्थ सागर जी महाराज

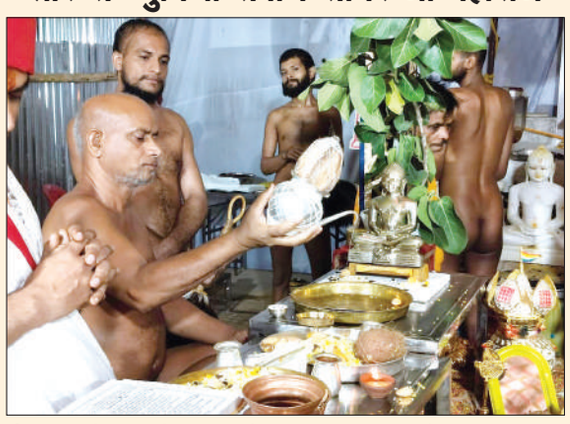

भोपाल (विश्व परिवार)। भोपाल पंचकल्याणक में श्रमण मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज ने कहा कि आज हम उस गहराई को समझने का प्रयास करें, जो इस साधारण सी पंक्ति में छुपी है- काबिल लोग न तो किसी को दबाते हैं और न ही किसी से दबते हैं। हम इस संसार में बहुत से लोगों को देखते हैं- कुछ अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हैं, तो कुछ दूसरों के भय से खुद को छोटा समझने लगते हैं। परंतु जो वास्तव में काबिल होते हैं, उनकी पहचान कुछ और होती है। काबिलियत का अर्थ केवल डिग्री या पद से नहीं होता। वह आत्मविश्वास से आती है, वह धैर्य और विनम्रता से आती है। काबिल व्यक्ति अपने कर्मों से बोलता है, न कि शोर से। वह किसी को नीचा दिखाकर खुद ऊँचा नहीं बनना चाहता, क्योंकि उसे पता है- जो दीपक दूसरों को जलाता है, वो खुद भी जलता है। सर्वार्थ सागर महाराज जी कहते हैं कि याद रखिए, जो दूसरों को दबाता है, वह असल में भीतर से डरा हुआ होता है। **-अभिषेक अशोक पाटील**

विमर्श जागृति महिला मंच ने निर्धन महिला को वर्ष भर का राशन दिया

अशोकनगर (विश्व परिवार)। विमर्श जागृति महिला मंच की सदस्यायों ने एक निर्धन महिला को जीवन यापन में परेशानी को देखते हुए साल भर का राशन प्रदान किया।इस अवसर पर अध्यक्ष वैशाली बाँझल ने जानकारी देते हुये बताया कि समय-समय पर संस्था धार्मिक कार्यों के साथ-साथ सामाजिक कार्यो भी में अपना योगदान देती रहती है। जैसे जरूरतमंद स्कूली बच्चों के लिए स्कूल बैग ,दया भावना फाउंडेशन में बीमार गायों की अस्पताल मैं दान राशि देना,निर्धनों को भोजन वितरण,वृद्ध आश्रम में कपड़े बिस्किट वगैरा भोजन सामग्री आदि वितरित करना। श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी के आशीर्वाद से सन 2011 से स्थापित विमर्श जागृति मंच निरन्तर धर्म एवं समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करती रहती है।साधु-संतों की आहार-विहार में सेवा के साथ-साथ स्वास्थ्य शिविर आयोजन कर जन सामान्य को लाभान्वित करती है।

विजय कुमार जैन भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक मनोनीत

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। समाजसेवी भारतीय जैन मिलन आंदोलन से लंबे समय से जुड़े विजय कुमार जैन को भारतीय जैन मिलन का राष्ट्रीय संरक्षक मनोनीत किया गया है उनके राष्ट्रीय संरक्षक बनने पर बधाइयां दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन ऋषुराज मेरठ, राष्ट्रीय महामंत्री प्रशासन अजय कुमार जैन सहारनपुर, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महेंद्र कुमार जैन एडवोकेट ग्वालियर द्वारा भारतीय जैन मिलन की वर्ष 2025 26 की घोषित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विजय कुमार जैन राघौगढ़ को राष्ट्रीय संरक्षक, शीतल चंद कठारी राघौगढ़ को राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, प्रदीप कुमार जैन ठेकेदार राघौगढ़ को राष्ट्रीय संयोजक राजनीतिक चेतना मंच, अशोक कुमार भारिल्य को वरिष्ठ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, विकास कुमार जैन को राष्ट्रीय संयोजक युवा जैन मिलन मनोनीत किया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सुभाष चंद्र जैन चौधरी, राजेश कुमार जैन ठेकेदार, दिलीप कुमार जैन को मनोनीत किया गया है।

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य में हुआ नरियल खेड़ा पंच कल्याणक का समापन, हुआ भोपाल के लालघाटी दिगम्बर जैन मंदिर में ससंघ का आगमन

भोपाल (विश्व परिवार)। अंशुल जैन प्रवक्ता जी ने अवगत कराया कि भोपाल- नारियल खेड़ा पंच कल्याणक महोत्सव में पूजा अर्चना धार्मिक अनुष्ठान के साथ ज्ञान कल्याणक की आराधना की गई।

अयोध्या नगरी में नव दीक्षित मुनि आदि सागर महाराज की आहार चर्या में नमोस्तु नमोस्तु के स्वर गूंज रहे थे, जैन दर्शन के अनुसार 6 महा के लंबे अंतराल के बाद राजा सोम ने नवधा भक्ति पूर्वक पढ़गहन कर इक्षु रस से आहार कराया।

मीडिया प्रभारी अंशुल जैन के अनुसार आज सिंगापुर से आए विवेक जैन ने प्रतिमा लेकर संयम का व्रत अंगीकार किया। मलेशिया से आए युवा व्यवसाई अनुपम जैन ने आचार्य श्री को सपरिवार श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने महोत्सव में शामिल होकर कहा धार्मिक अनुष्ठान भारत की पावन भूमि को सिद्ध करते है।

आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी जैसे संतों के आशीर्वाद से हम सभी को जीवन में ऊर्जा प्राप्त होती हैं। आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने कहा कि संसार में सबसे बड़ा गृह परिग्रह हे, अगर परिग्रह को दूर कर दो तो सारे गृह अपने आप दूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा अपने धर्म जिनालय देवालय से पहले देश की अखंडता की रक्षा करना, देश के सम्मान स्वाभिमान की रक्षा के लिए जरूरत पड़े तो सब कुछ न्योछावर कर देना। आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने कहा धार्मिक अनुष्ठान आयोजनों में विशेष जाप ओर प्रथना देश की स्थिरता एकता अखंडता ओर शांति के लिए होना चाहिए, देश की संस्कृति और संस्कारों को सुरक्षित भाषा साहित्य साधु और पुरातत्व ही रख सकते है।

मंच पर संघ के साधुओं के साथ विज्ञा श्री माताजी भी संघ सहित विराज मान थीं। पंचकल्याणक महोत्सव समिति के प्रमुख शरद जैन,अध्यक्ष संतोष कुंदन, पार्षद देवेंद् भार्गव, सुकेश जैन, अजय ज्योतिष, पंकज इंजिनियर, पूर्व डी जी पी ऋषभ दिवाकर, सुरेश जैन, आईएएस डॉ.जितेंद्र जैन, डॉ. जखारिया, विजय जैन अयोध्या नगर नरेंद्र वदना, सुकेश जैन, आलोक जैन, अरविंद जैन मुकेश जैन, विनोद जैन, आर एन जी तेज कुमार जैन, मनोज जैन, एडवोकेट संतोष जैन, विनोद जैन, सुरेश जैन रितेश जैन गोल्ड सहित अनेक धर्म लंबी मौजूद थे। **-अंशुल जैन**

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

भोपाल (विश्व परिवार)। संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य गुणायतन प्रणिता मुनि श्री 108 प्रमाणसागर जी महाराण एवं परम पूज्य मुनि श्री 108 संधानसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में विश्व पर्यावरण दिवस एवं पंचकल्याणक के पावन अवसर पर प्रकृति बचाओ वृक्ष लगाओं की भावना से वृक्षारोपणक किया। इसमें नगर निगम के मुख्यमंत्री सुबोध जैन और उनकी पुरी टीम ने बहुत ही उत्साह से पेड लागाये। आचार्य विद्यासागर प्रबंध विज्ञान संस्थान एवं नवोदित श्री विद्या प्रयाण गुरुकुलम् के पदाधिकारियों के साथ ही श्राव?को ने वृक्ष लगाये। मुनिश्री संधान सागर जी ने कहा प्रकृति को बचाना है तो हर व्यक्ति को पेड़ लगाना है।

भगवान की तपस्या तभी फलीभूत होती है जब उनके आहार का निमित्त कोई पुण्यात्मा जीव बनता है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी

अयोध्या (विश्व परिवार)। सतपात्र को दिया गया दान ही सबसे बड़ा दान है भगवान की तपस्या भी तभी फलीभूत होती है जब उनके आहार का निमित्त कोई पुण्यात्मा जीव बनता है उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने अयोध्या नगरी बने पंचकल्याणक स्थल पर मुनि ऋषभ देव की प्रथम आहार चर्या पर पांचवे दिवस ज्ञान कल्याणक महोत्सव पर विद्याप्रमाण गुरुकुलम् में व्यक्त किये।

प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया 6 जून सुक्रवार को पंचकल्याणक महामहोत्सव का अंतिम दिवस है एवं कार्यक्रम स्थल आयोध्या नगरी में प्रात:6 बजे से मांगलिक क्रियायें प्रारंभ हो जाऐगी कैलाश पर्वत से भगवान को निर्वाण की प्राप्ती के पश्चात पूजन हवन के पश्चचात मुनि श्री का उदवोधन एवं गजरथ के साथ भगवान की शोभायात्रा निकाली जाऐगी एवं श्री जी नवीन चैत्यालय में विराजमान होंगे। आहार दान के इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि आहार दान केवल एक कर्म नहीं, युगों युगों का मार्ग निर्धारण करता है। जब-जब दान की बात आती है तो धन को प्रमुखता दी जाती है लेकिन तुलनात्मक रूप से जब विचार किया जाता है तो शास्त्रों में आहार, औषधि, उपकरण, तथा आवास दान को प्रमुखता दी गयी है मुनि श्री ने राजा श्रेयांश और राजा सोम कीअमर कथा को सुनाते हुये कहा कि इससे 'दान तीर्थ' की स्थापना हुई, तथा 'धर्म तीर्थ' प्रारंभ हुआ,छह माह तक निराहार विचरण के उपरांत मुनि ऋषभदेव ने जब राजा श्रेयांश के हाथों आहार लिया,तो देवताओं ने श्रेयांश राजा को 'दान तीर्थंकर' की उपाधि से अलंकृत किया। आज पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव पर दान तीर्थ की यह परंपरा पुन: सजीव हो गई जब राजा श्रेयांश बने विनीत गोधा और राजा सोम बने डॉ. शरद जैन के परिवार ने प्रभु का पड़गाहन कर इच्छुरस से आहार दान दिया। मुनि श्री ने विधि, द्रव्य, दाता और पात्र की विशेषता को स्पष्ट करते हुये कहा कि आहार दान में नवधा भक्ति की पूर्णता होनी चाहिए उन्होंने सोला की परिभाषा बताते हुये कहा कि दाता के सात गुण और नौ पुण्य का समागम ही सोला है आहार के पूर्व रात्रि भोजन का त्याग और जीवन में मध,मांस तथा मधु का परित्याग आवश्यक है। **-अविनाश जैन**

श्रुत पंचमी राजा बाजार जैन मंदिर में उत्साह से मनी

छत्रपति संभाजीनगर में धार्मिक ग्रंथों को सिर पर धारण कर निकाली गई शोभायात्रा

बुधवार को पार्श्वनाथ मंदिर राजा बाजार से श्रुत पंचमी महोत्सव पर धार्मिक ग्रंथों को सिर पर लेकर शोभायात्रा निकालते हुए खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत के पदाधिकारी व सदस्य।

छत्रपति संभाजीनगर (विश्व परिवार)। खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत, पार्श्वनाथ मंदिर, राजा बाजार में श्रुत पंचमी महोत्सव के उपलक्ष्य में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. प्रात: 7 बजे विभिन्न धार्मिक ग्रंथों को सुंदर रूप से सजा कर उन्हें सिर पर धारण कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई. यह शोभायात्रा राजा बाजार जैन मंदिर से प्रारंभ होकर शाहगंज, संस्थान गणपति मार्ग होते हुए मंदिर में विसर्जित की गई।

शोभायात्रा में महिलाओं ने सफेद साड़ियां और पुरुषों ने पारंपरिक धार्मिक परिधान धारण किए थे. शोभायात्रा के उपरांत मंदिर में भगवान शांतिनाथ और सरस्वती ग्रंथ का पंचामृत अभिषेक किया गया. इस अवसर पर शांति मंत्रों का पाठ भी किया गया. शोभायात्रा में महिलाएं और पुरुष षट्खंडागम, महापुराण, पद्मपुराण, जैन सिद्धांत कोष, भगवान महावीर पुराण, 24 तीर्थंकर पुराण, पूजन पाठ प्रदीप, मंगल आराधना, कड़वे प्रवचन आदि धार्मिक ग्रंथ सिर पर लेकर चलते हुए शामिल हुए. धार्मिक नारों और भक्तिमय वातावरण से संपूर्ण क्षेत्र धर्ममय हो गया था. इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष महावीर पाटणी, सचिव प्रकाश अजमेरा, किरण पहाड़े, चंदा कासलीवाल, मयूर ठोले, प्रेमचंद पाटणी, पुष्पा पहाड़े, कांता पहाड़े, माणिकचंद पांडे, ज्योत्स्ना पहाड़े, स्वाति कासलीवाल, प्रकाश कासलीवाल, अनिला ठोले, कश्मीरा लोहाड़े, राजाभाऊ पहाड़े, भरत पापड़ीवाल, संतोष बाकलीवाल, कनक ठोले, सुनीता पाटणी, चंदा काला, उषा चूड़ीवाल, नूतन गंगवाल, सोनी मनोज कासलीवाल, श्रीपाल लोहाड़े, लता साहूजी, संगीता सेठी, नीलेश अजमेरा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे. यह जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा और पीयूष कासलीवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

दो बड़े आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज का हुआ भव्य मिलन

अतिशय क्षेत्र बरनावा (विश्व परिवार)। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार से दिल्ली तरुणसागरम तीर्थ तक अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है आज अतिशय क्षेत्र बरनावा की पावन धरा पर दो बड़े आचार्य आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज का हुआ भव्य मिलन। मिलन समारोह में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि मकान तो चार दीवारों से बन जाते हैं लेकिन, घर बनाने और बसाने के लिए सब्र, समझ, प्रेम, और बड़े बुजुर्गों का सम्मान बहुत जरूरी है..! किसी बुजुर्ग से पूछा- दादा जी कैसी कट रही है ज़िन्दगी- बुजुर्ग दादा जी ने बहुत सदे हुए लफ़्ज़ों में और रून्धे हुई आवाज में कहा- बेटा जहाँ से शुरू किया था सफ़र वहीं पे पहुंच गए, बेटियों को दामाद ले गये और बेटों को बहू ले गई।

सच है मित्रो! आज की भाग दौड़ की ज़िन्दगी में कौन करता है बुजूर्गो की परवरिश- ? कौन रखता है ध्यान- ? कौन करता है उनकी सेवा- ? हमारे घर, परिवार और समाज में, बुजूर्ग अपनों के बीच में भी अकेले हो रहे हैं। अपनों के साथ अकेलापन महसूस कर रहे हैं। कहीं कहीं तो उन्हें जान बूझकर अकेला छोड़ दिया जाता है या उम्र के ढलान पर उन्हें वृद्ध आश्रम में छोड़ दिया जाता है। कहना गलत नहीं होगा आज देश के सर्वेक्षण में 40त्न बुजूर्गो का कहना है कि 44त्न प्रतिशत बेटे, 28त्न बहु और 14त्न से ज्यादा बेटीयों द्वारा बड़े बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार अशिष्ट वचन करने और कहने की बात सामने आ रही है। इसलिए आज हमारे बड़े बुजूर्ग शारीरिक रूप से कम, , मानसिक रूप से ज्यादा अस्वस्थ दिख रहे और उम्र के पड़ाव से जूझ रहे हैं।

दरअसल एकल परिवारों का चलन और स्वार्थ परक सोच, अधिक ऐजुकेशन की सोच ने आज की पीढ़ी को अकेला कर दिया है। जो आने वाले समय में उनके लिए ही घातक सिद्ध होगी। हमारे देश में जहाँ वानप्रस्थ आश्रम बनते थे, आज उसी देश में वृद्ध आश्रम कुकुर मुत्तो की तरह खुल रहे हैं, जो इस देश के दुर्भाग्य का द्योतक है। पहले भारत देश का एक बुजूर्ग चार जबान बेटों की परवरिश हँसकर कर लेता था और आज उसी देश के चार जवान बेटे मिलकर एक बुजूर्ग की परवरिश नहीं कर पा रहे हैं।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल

राघौगढ़ नगर में भव्य एवं ऐतिहासिक पंचकल्याणक महोत्सव 25 जून से

धार्मिक कार्यक्रम मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में होंगे सम्पन्न

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। धर्मनगरी राघौगढ़ में जैन समाज के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का धार्मिक आयोजन आगामी 25 जून से 1 जुलाई तक संत सुधा सागर धाम पर अपूर्व धर्म प्रभावना के साथ आयोजित किया जा रहे हैं। इस आयोजन में तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि सुधा सागर जी महाराज ससंघ एवं पूज्य मुनि विशद सागर जी महाराज ससंघ का पावन सानिध्य मिलेगा।

गत दिवस आचार्य विद्यासागर भवन में सकल दिगंबर जैन समाज राघौगढ़ की विशाल धर्म सभा में मंगल प्रवचन करते हुए मुनि विशद सागर जी महाराज ने कहा राघौगढ़ नगर वासियों का सौभाग्य है कि तीर्थ सुद्धारक मुनि सुधा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में राघौगढ़ में ऐतिहासिक एवं भव्य पंचकल्याणक आयोजित हो रहा है। राघौगढ़ वासियों का महान पुण्य है कि मुनिराज लंबा पद बिहार का राघौगढ़ पधार रहे हैं। आपने जैन समाज को आव्हान किया कि समाज के जिस व्यक्ति को भी इस धार्मिक आयोजन में जो जिम्मेदारी मिले उस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा एवं लगन से पूर्ण कर धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाएं। गत दिवस प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी पंडित प्रदीप भैया जी राघौगढ़ पधारे उन्होंने पंचकल्याणक स्थल सुधा सागर धाम एवं राघौगढ़ नगर में पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर नवनिर्मित का अवलोकन किया एवं व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उल्लेखनीय है राघौगढ़ में मार्च 2014 में पूज्य मुनि सुधा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में 300 वर्ष प्राचीन जीर्ण शीर्ण श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर को निष्ठापित कर नवीन मंदिर बनाने का शिलान्यास हुआ था। तीन शिखर का भव्य मंदिर सकल दिगम्बर जैन समाज की दानराशि से बनकर तैयार है। जिसमें भगवान विराजमान किए जाएंगे। इसी प्रकार पूज्य मुनि सुधा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में जैन बगीचा राघौगढ़ जिसे बाद में संत सुधा सागर धाम नामकरण किया गया। वहां पर स्थित सभा मंडप में सुधा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में भगवान विराजमान कर मंदिर का रूप दिया गया। संत सुधा सागर धाम पर भव्य गगनचुंबी संभवनाथ जिनालय का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है।सुधा सागर धाम नवीन मंदिर के पुण्यार्जक अशोक कुमार राजेश कुमार भारिल्य राघौगढ़ हैं।राघोगढ़ में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैया जी अशोक नगर के मार्गदर्शन में सभी मांगलिक क्रियाएं संपन्न होंगी। जैसे ही राघोगढ़ नगर में गत दिवस यह शुभ समाचार आया कि लंबी प्रतीक्षा के बाद पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 25 जून से 1 जुलाई को संपन्न होगा। राघौगढ़ नगर सहित सभी क्षेत्रों में हर्ष छा गया। सभी को मुनि सुधा सागर जी महाराज के ससंघ राघौगढ़ आगमन एवं पंचकल्याणक महोत्सव अपूर्व धर्म प्रभावना से आयोजित होने की प्रतीक्षा है। हिसाब कर पर जैन समाज के संरक्षक पवन कुमार जैन जैन समाज के अध्यक्ष अजय कुमार रावत ने विचार व्यक्त करते हुए कहा पूज्य मुनि सुधा सागर जी महाराज के महान उपकार के साथ-साथ राघोगढ़ नगर में सत्संग विराजमान पूज्य मुनि विषय सागर जी महाराज सत्संग की भी माहिती अनुकंपा है कि लंबी प्रतीक्षा के बाद राघोगढ़ नगर में पंचकल्याणक महोत्सव आयोजित हो रहा है धर्म सभा का संचालन ट्रस्ट कमेटी के सदस्य विकास कुमार जैन ने किया।

पंजीकरण के लम्बित मामले एक माह के अन्दर निस्तारित कर दिये जायेंगे- प्रेस महापंजीयक

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। भारत के प्रेस महापंजीयक योगेश कुमार बावेजा ने प्रकाशकों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पंजीकरण के लम्बित मामले 1 माह के अन्दर निस्तारित कर दिये जायेंगे और प्रेस सेवा पोर्टल की तकनीकी दिक्कतों को तेजी से दूर करने का प्रयास किया जायेगा।

शीर्ष पत्रकार संगठनों के पदाधिकारियों ने आज ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन के अध्यक्ष व पूर्व प्रेस काउंसिल सदस्य गुरिन्दर सिंह के नेतृत्व में प्रेस महापंजीयक से मुलाकात कर समाचार पत्र प्रकाशकों के समक्ष आ रही दिक्कतों को तुरन्त हल किये जाने की जोरदार मांग की।

ज्ञातव्य हो कि प्रेस सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन व अन्य कार्यों में अपेक्षा से अधिक समय लग रहा था तथा इसमें प्रकाशकों को अनेक तकनीकी दिक्कतें आ रही थी। मीटिंग में अति. प्रेस महापंजीयक डा. धीरज काकडिया, उप प्रेस पंजीयक आशुतोष मोहले व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल में पूर्व प्रेस काउंसिल सदस्य अशोक नवरत्न, इंडियन एसोसियशन ऑफ प्रेस-एन-मीडियामेन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी, ऑल इंडिया स्मॉल न्यूज़पेपर्स एसोसिएशन के दिल्ली प्रभारी अशोक कपूर, स्मॉल मीडियम बिग न्यूजपेपर्स सोसाइटी के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार छाबड़ा, आईएपीएम के उपाध्यक्ष अर्जुन जैन, समाचार पोस्ट के सम्पादक सुशील वकील, पत्रकार ज्ञानेश्वर सिंह, सौरभ वार्ष्णेय, जे. के. मिश्रा, गौरव त्रिपाठी, व शुभम गुप्ता आदि सम्मलित थे।

प्रेस महापंजीयक ने प्रकाशकों की विभिन्न समस्याएं सुनने के बाद कहा कि हम मानते हैं कि पिछले कुछ समय से प्रेस पंजीयन कार्यालय में काफी मामले लम्बित है जिन्हे एक माह के अन्दर निस्तारित करने का प्रयास जायेगा तथा प्रेस सेवा पोर्टल में जो तकनीकी दिक्कतों आ रही हैं उन्हे तत्काल दूर किया जायेगा।

उन्होने प्रतिनिधिमंडल की मांग पर प्रदेशों की राजधानियों में स्थित पत्र सूचना कार्यालयों में प्रकाशकों को तकनीकी जानकारी देने हेतु सेमीनार/वेबनार आयोजित करने का भी आश्वासन दिया। उन्होने बताया कि हमारा उद्देश्य त्वरित गति से कार्यों को निपटाना है जो पूरी तरह फेसलैस हो, जिससे प्रकाशकों को पंजीकरण कार्यालय न आना पड़े।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने सभी जिला प्राधिकरण द्वारा प्रेस सेवा पोर्टल पर लागिन/ऑनलाइन कार्य सुनिर्श्चित करने हेतु पीआरजीआई द्वारा पत्र लिखे जाने की मांग की, साथ ही समाचार पत्रों की नियमितता हेतु सिंगल विंडो बनाये जाने की भी मांग की कि एक जगह समाचार पत्र की प्रति जमा कराने के बाद प्रकाशकों को अलग-अलग जगह समाचार पत्रों की प्रतियां न जमा करानी पडें।

सभी प्रकाशक प्रतिनिधियों ने एक स्वर में यह भी मांग की कि प्रेस पंजीकरण के मामलों को निस्तारित किये जाने की प्रक्रिया में अनावश्यक आपत्तियां न लगाई जाए तथा प्रक्रिया का सरलीकरण कर प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, शुक्रवार 06 जून 2025

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस विशेष: बस्तर के जलप्रपातों में गूंजा संदेश — प्लास्टिक मुक्त बनाएं पर्यटन स्थल

जगदलपुर (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बस्तर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों चित्रकोट, तीरथगढ़, तामडाघुमर, मेंदरीघूमर, चित्रधारा और मिचनार में इंद्रावती बचाओ अभियान के सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया गया और इन स्थलों पर जनजागरण अभियान चलाया गया, जिसमें आम जनता और पर्यटकों से अपील की गई कि वे इन स्थलों को प्लास्टिक मुक्त रखने में सहयोग करें। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करना है, जो आधुनिक समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। इस विषय के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि अब प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने की दिशा में ठोस और सामूहिक प्रयास जरूरी हो चुके हैं इंद्रावती बचाओ अभियान के सदस्यों ने कहा कि बस्तर की खूबसूरती को बचाए रखने के लिए हमें आज ही जागरूक होना होगा। यदि हम अपने जलप्रपातों, जंगलों और नदियों को प्लास्टिक से बचा सकें, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा।

दलपत सागर में अवैध मलबा फेंके जाने पर महापौर संजय पाण्डेय ने दर्ज कराई शिकायत

जगदलपुर (विश्व परिवार)। नगर निगम जगदलपुर के महापौर संजय पाण्डेय ने दलपत सागर में अवैध रूप से मलबा फेंके जाने के मामले में पुलिस अधीक्षक, जिला बस्तर को लिखित शिकायत सौंपी है। उन्होंने बताया कि दलपत सागर, जो कि जनसामान्य की संपत्ति है, उसकी साफ-सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी नगर निगम जगदलपुर के अधीन है हाल ही में जानकारी प्राप्त हुई है कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा दादाबाड़ी के पीछे स्थित दलपत सागर के किनारे पर ट्रैक्टर के माध्यम से मलबा डाला जा रहा है। वॉइस ऑफ बस्तर इससे जलाशय की गहराई और जलधारण क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। महापौर ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से इस गतिविधि की जांच कर दोषियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी आग्रह किया है कि यदि भविष्य में किसी को मलबा डालते हुए पाया जाए, तो उसके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की जाए

विश्वविद्यालय भर्ती प्रकिया में घोटाले की बात आगे आने और शिकायत आने के बाद भी शासन प्रशासन ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं कि आचार्य की बात --- अंकित सिंह ,युवा कांग्रेस

जगदलपुर (विश्व परिवार)। लगातार शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय में चल रही भर्ती पर सवाल उठ रहे और कई शिकायतें होने के बाद भी अभी तक शासन प्रशासन एक्सन मोड में नहीं आया है कही इसमें कोई षडयंत्र तो नहीं है कार्यपरिषद की बैठक होती है उसमें भी कोई कार्यवाही नही होती बस छात्रों के पैसे से आवभगत होती है जब कि कार्यपरिषद के प्रमुख सदस्य भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव जी स्वयं है और साथ ही राष्ट्रीय भाजपा उपाध्यक्ष लताउसेंडी जी है ,पूर्व आईएस वर्तमान विधायक नीलकंठ टेकाम जी है,दन्तेवाड़ा के विधायक चैत राम अटामि जी है और संघ के बड़े बड़े लोग है उसके बाद भी कोई कार्यवाही नही कही ये सब मिली भगत तो नहीं ।

गरियाबंद जिले में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से दूरस्थ शालाओं में शिक्षा व्यवस्था सशक्त

गरियाबंद (विश्व परिवार)। शासन के निर्देशानुसार जिले में 1 जून से 3 जून तक ओपन काउंसलिंग के माध्यम से शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न संवर्गों के अतिशेष शिक्षकों को रिक्त शालाओं में पदस्थापित किया गया।

युक्तियुक्तकरण से पूर्व मैनपुर ब्लॉक के दूरस्थ अंचलों में 6 शालाएं शिक्षकविहीन थीं एवं 69 शालाएं एकल शिक्षकीय स्थिति में थीं। युक्तियुक्तकरण के उपरांत अब केवल 13 शालाएं एकल शिक्षकीय बची हैं। देवभोग ब्लॉक में 4 शिक्षकविहीन और 30 एकल शिक्षकीय शालाएं थीं, साथ ही 6 हाई स्कूल भी एकल शिक्षक पर संचालित हो रहे थे। फिंगेश्वर ब्लॉक से प्राप्त अतिशेष शिक्षकों के माध्यम से इन पदों की पूर्ति कर ली गई है, जिससे देवभोग ब्लॉक में अब कोई भी शाला शिक्षकविहीन या एकल शिक्षकीय नहीं रह गई है।

प्रक्रिया के अंतर्गत ई संवर्ग के 81 एवं टी संवर्ग के 133, कुल 214 सहायक शिक्षकों, 6 प्राथमिक शाला प्रधान पाठकों, 25 ई संवर्ग तथा 81 टी संवर्ग के कुल 106 शिक्षकों, एक मिडिल स्कूल प्रधान पाठक, तीन विज्ञान शिक्षक तथा 76 व्याख्याताओं के पदस्थापना आदेश जारी किए गए।

यह सम्पूर्ण प्रक्रिया शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न की गई। विषयवार रिक्तता के आधार पर पदस्थापना की गई एवं आदेश जारी कर तत्काल जॉइनिंग के निर्देश प्रदान किए गए। अनुपस्थित या असहमत शिक्षकों की पदस्थापना लाटरी पद्धति से की गई। वरिष्ठता, महिला, दिव्यांग एवं मान्यता प्राप्त संगठन पदाधिकारियों को प्राथमिकता दी गई।

ई संवर्ग में विषयगत रिक्तता के अभाव में कुछ शिक्षकों की पदस्थापना संभव नहीं हो सकी, जिनकी सूची उच्च कार्यालय को भेजी जा रही है।

वर्षों से शिक्षकों की प्रतीक्षा कर रहे दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पदों की पूर्ति से आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं पालकों ने हर्ष व्यक्त किया एवं शासन के प्रति आभार जताया।

इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में कलेक्टर भगवान सिंह उइके, अतिरिक्त कलेक्टर अरविंद पांडे तथा जिला शिक्षा अधिकारी ए. के. सारस्वत के निर्देशन में जिला शिक्षा कार्यालय की टीम का विशेष योगदान रहा।

पर्यावरण दिवस एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। आज ग्राम पंचायत सिंगनपुर (तोकापाल ब्लॉक) में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों एवं विभागीय अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल जी ने भाग लिया और वृक्षारोपण कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वृक्ष हमारी धरती के फेफड़े हैं, और यदि हम अपने आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना चाहते हैं, तो हर व्यक्ति को पेड़ लगाना चाहिए विशेषकर अपनी माँ के नाम पर, जो जीवन की जननी हैं। इस अवसर पर चित्रकोट

विधायक विनायक गोयल जी, जनपद उपाध्यक्ष रितेश दास जोशी जी, जनपद सदस्य डिकेस नाग जी, मण्डल अध्यक्ष सोमारु राम कश्यप जी, जिला मंत्री बाबुल नाग जी, मिटकु राम बघेल जी, जिवनाथ मौर्य, मुन्ना कश्यप जी, जलन कश्यप जी, विकेश रंगारी जी, नरेश कापडे जी, एवं ग्राम पंचायत सरपंच सचिव एवं विभागीय अधिकारी कर्मचारी गण ग्रामीण जन भी उपस्थित रहे।

एसईसीएल की कार्रवाई से बवाल, भू-विस्थापितों का आरोप—बिना सूचना तोड़े घर और उद्यान

कोरबा। जिले के अमगांव में एसईसीएल गेवरा क्षेत्र द्वारा कोयला उत्खनन के लिए निजी भूमि और भूमि पर स्थित मकान और उद्यान को तोड़ने का मामला सामने आया है। भू विस्थापित परिवार का आरोप है कि एसईसीएल ने बिना सूचना के उनके मकान और उद्यान को तोड़ दिया, जिससे उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

भू विस्थापित परिवार ने लगाए आरोप

भू विस्थापित परिवार के सदस्य राजेश कुमार जायसवाल ने बताया कि एसईसीएल गेवरा क्षेत्र द्वारा उनकी निजी भूमि और भूमि पर स्थित मकान और श्री कामद गिरी उद्यान का मुआवजा निर्धारण किया गया था, लेकिन अभी तक अतिरिक्त मुआवजा राशि का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसईसीएल के अधिकारी और कलिंगा कंपनी के कर्मचारियों ने बिना सूचना के उनके मकान को तोड़ दिया और उद्यान में लगे पेड़-पौधों को काट दिया।

एसईसीएल के अधिकारीयों पर कार्रवाई की मांग

भू विस्थापित परिवार ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि एसईसीएल के अधिकारीयों और कलिंगा कंपनी के कर्मचारियों पर भारतीय न्याय संहिता के तहत कानूनी कार्यवाही की जाए और उन्हें अतिरिक्त मुआवजा राशि का भुगतान किया जाए। परिवार ने बताया कि मकान तोड़ने से उनके उपयोगी समान नष्ट हो गए और उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

जिला कलेक्टर से की गई शिकायत

भू विस्थापित परिवार ने जिला कलेक्टर से शिकायत की है और कार्रवाई की मांग की है। जिला कलेक्टर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और जल्द ही कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। भू विस्थापित परिवार ने एसईसीएल के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया और अतिरिक्त मुआवजा राशि का भुगतान करने की मांग की। परिवार ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे आंदोलन करेंगे।

जिले का कोई भी विद्यालय नहीं रहेगा शिक्षकविहीन, शैक्षणिक माहौल और बेहतर होगा

अंदरूनी क्षेत्र के विद्यालय के विद्यार्थियों को भी मिलेगी बेहतर शिक्षा

जिले में अतिशेष शिक्षकों की दो दिन चली काउंसिलिंग

जगदलपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के दिशा निर्देशों के तहत जिले में अतिशेष शिक्षकों के काउंसिलिंग की प्रक्रिया बुधवार की देर रात तक पूरी कर ली गई है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के साथ ही जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में मौजूद शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों को नए शिक्षक मिल गए, वहीं इन क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को भी बेहतर शिक्षा की गारण्टी सुनिश्चित हो गई है। आने वाले दिनों में जब विद्यालय खुलेंगे तो उन्हें नए शिक्षक के साथ अध्ययन का अवसर मिलेगा। कलेक्टर श्री हरिस एस के मार्गदर्शन में सीईओ जिला पंचायत श्री प्रतीक जैन की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी की गई।

शासन के दिशा निर्देशों के तहत जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षको की काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। लगातार दो दिनों तक चले इस प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता

के साथ अतिशेष शिक्षकों को शिक्षकविहीन विद्यालय और शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में पदस्थ किया गया। सर्वप्रथम प्राथमिक शालाओं के सहायक शिक्षको और प्रधान अध्यापक की तथा माध्यमिक शालाओं के प्रधान अध्यापक की काउंसलिंग तीन जून को की गई। इस प्रक्रिया में लगभग 202 सहायक शिक्षको और 15 प्रधान पाठक की काउंसलिंग की गई।

इसी तरह चार जून को अतिशेष व्याख्याता और माध्यमिक शाला के शिक्षको की काउंसिलिंग में 152 व्याख्याता और माध्यमिक शाला के 186 शिक्षको को काउंसलिंग की गई। विद्यालय के अतिशेष व्याख्याताओं को उन विद्यालयों में पदस्थ किया गया है, जहाँ गणित,रसायन, भौतिकी, हिंदी, अंग्रेजी, कामर्स विषयों के शिक्षकों की कमी थी। अतिशेष शिक्षको की नई जगह पर पदस्थापना से दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों में जहाँ शिक्षको की कमी दूर हो गई है वहीं इन विद्यालयों में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी शासन द्वारा जारी आदेश के तहत की गई युक्ति युक्तकरण की व्यवस्था लाभदायक होने जा रही है।

अतिशेष शिक्षको के युक्तियुक्तकरण का लाभ दूरस्थ क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलने के साथ ही अनेक शिक्षकों के लिए भी लाभदायक साबित होगा। कुछ विद्यालय में शिक्षक नहीं होने से आसपास के किसी विद्यालय के शिक्षक को संलग्न कर अध्यापन के लिए भेजा जाता था। उनके ऊपर अधिक संख्या में मौजूद बच्चों को पढ़ाने की पूरी जिम्मेदारी के साथ ही अन्य कार्यों की जिम्मेदारी भी रहती थी।

एक पेड़ माँ के नाम अभियानः विश्व पर्यावरण दिवस पर गरियाबंद पुलिस ने लगाए 2000 से अधिक पौधे

वन विभाग व उद्यानिकी विभाग का रहा विशेष सहयोग

गरियाबंद (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गरियाबंद पुलिस द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जिले के सभी थाना/चौकी परिसर एवं पुलिस लाइन में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपने एवं अपने परिवार के नाम पर दो हजार से अधिक फलदार एवं छायादार पौधे लगाए।

पुलिस विभाग द्वारा यह संकल्प लिया गया कि लगाए

गए पौधों की नियमित देखरेख कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना भी है।

इस अवसर पर गरियाबंद पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने स्तर पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और पर्यावरण को सुरक्षित एवं स्वस्थ बनाए रखने में योगदान दें। यह भी कहा गया कि वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य कारण पेड़-पौधों की निरंतर

हो रही कमी है, जिसे जनसहयोग से ही रोका जा सकता है।

पुलिस विभाग की इस सराहनीय पहल में वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग का विशेष सहयोग रहा। विभाग के अधिकारियों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में तकनीकी मार्गदर्शन एवं पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित की।

कार्यक्रम में सभी पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं विभागीय प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरा-भरा एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण देने का संकल्प लिया।

www.dainikvishwaparivar.com
vishwaparivarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

व्यापार समाचार

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर आकर्षक पुरस्कार की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने प्रमुख गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर एक आकर्षक सीमित-अवधि के ऑफर की घोषणा की है। मूल रूप से 129,999 रुपये की शुरुआती कीमत में मिलने वाला गैलेक्सी S25 अल्ट्रा अब केवल 117,999 रुपये में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर इस विशेष कीमत में 12,000 रुपये का इंस्टैंट कैशबैक भी शामिल है। उपभोक्ताओं के लिए इस डील को और आकर्षक बनाते हुए, गैलेक्सी S25 अल्ट्रा 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ भी उपलब्ध है। अधिक किफायती विकल्प चाहने वाले उपभोक्ता 3,278 रुपये प्रति माह से शुरू होने वाली नो-कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं। ये विशेष ऑफर्स ग्राहकों को सैमसंग के प्रमुख गैलेक्सी S25 अल्ट्रा को आजमाने का बेहतरीन मौका देते हैं। इस स्मार्टफोन ने एक सच्चे एआई साथी की तरह नया मानक स्थापित किया है और सैमसंग का अब तक का सबसे स्वाभाविक और समझदारी से भरा मोबाइल अनुभव देता है। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा पर, मल्टीमोडल क्षमताओं के साथ एआई एजेंट्स को वन यूआई 7 प्लेटफॉर्म में शामिल किया गया है, जो ऐप्स के बीच जटिल कार्यों को आसानी से करने और स्पीच, टेक्स्ट, वीडियो और तस्वीरों के माध्यम से यूजर्स इंटरैक्शन को सक्षम करता है। नाउ ब्रीफ दिनभर के लिए विशिष्ट रूप से तैयार सुझाव देता है और नाउ बार चल रही गतिविधियों के लिए एक नया हब प्रदान करता है। राइटिंग असिस्ट से प्रोडक्टिविटी बढ़ी है और ड्रॉइंग असिस्ट की मदद से असीमित रचनात्मकता का अनुभव कर सकते हैं। गैलेक्सी एआई की विस्तारित क्षमताएं यूजर्स को उनके दैनिक जीवन के हर पहलू में सशक्त करती हैं। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा के साथ इंटरैक्शन अब पहले से भी ज्यादा सुविधाजनक और स्मार्ट हो गया है। अब केवल एक कमांड पर जेमिनी आपके पसंदीदा स्पोर्ट्स टीम का शेड्यूल ढूंढकर सीधे सैमसंग कैलेंडर में जोड़ सकता है। गैलेक्सी S25 अल्ट्रा गैलेक्सी के लिये स्नैपड्रैगन 8 एलिट मोबाइल प्लेटफॉर्म द्वारा पावर्ड है, जो ऑन- डिवाइस एआई प्रोसेसिंग को और भी तेज़ और रेस्पॉन्सिव बनाता है। यही नहीं, इसमें अपग्रेडेड रे ट्रेसिंग टेक्नोलॉजी दी गई है, जो मोबाइल गेमिंग को और भी स्मूद और रियलिस्टिक बनाती है। डिवाइस का लगातार इस्तेमाल और एआई प्रोसेसिंग भी अब बेहद स्मूद तरीके से होती है, क्योंकि गैलेक्सी S25 अल्ट्रा में 40 प्रतिशत बड़ी वेपर चैंबर और खासतौर पर तैयार किया गया थर्मल इंटरफेस मटेरियल (टीआईएम) इस्तेमाल किया गया है। यह नया हीट डिसिपेशन स्ट्रक्चर थर्मल एफिशिएंसी को और बेहतर बनाता है, जिससे डिवाइस लंबे समय तक ठंडा और फास्ट बना रहता है।

भूतों से बात करने वाली नोयोनतारा से मिलिए: कलर्स ला रहा है एक घोस्ट-व्हिस्पिरर की कहानी - 'नोयोनतारा'

मुंबई: जबकि इंडियन प्रीमियर लीग की गूंज धीरे-धीरे थम रही है, कलर्स मनोरंजन की दुनिया में एक नया तूफान लेकर आ रहा है ड्ड 'नोयोनतारा', एक अनोखा अलौकिक थ्रिलर जो देश को रोमांच से भर देगा। 23 साल की नोयोनतारा आत्माओं से बात कर सकती है, इसलिए वह हमेशा समाज के हाशिए पर रही और अपने दुर्लभ वरदान के कारण उपहास की पात्र बनती रही। लेकिन उसकी ज़िंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब वह डॉ. सुरजो से शादी करती है, जिसे केवल विज्ञान और तर्क पर ही विश्वास है लेकिन वह अपने अतीत की पीड़ा में डूबा हुआ है। जब नोयोनतारा अपने ससुराल, भव्य और रहस्यमयी 'परी महल' में कदम रखती है, तो वह ऐसे जाल में फंस जाती है जहां बीते राज़ कभी दफ्न नहीं होते। उसका सबसे अजीब लेकिन मज़ेदार साथी बनता है हसिराम नाम का एक 'मस्तीखोर' भूत, जिसके साथ वह हवेली के लालच और भूले- बिसरे सच के इतिहास को सामने लाना शुरू करती है। उसका सामना दो महिलाओं से होता है, लता और ललिता, वे दोनों ही खुद को उसकी सास बताती हैं। एक उसे अपने बेटे सुरजो को मौत से भी बदतर अंजाम से बचाने को कहती है, जबकि दूसरी नोयोनतारा के 'वरदान' का इस्तेमाल अपने बुरे इरादों के लिए करना चाहती है। जैसे-जैसे सच्चाई और छल के बीच की परतें धुंधली होती जाती हैं, नोयोनतारा के सामने एक सवाल खड़ा होता है — आखिर कौन उसे सही दिशा दिखा रहा है... और कौन उसे किसी जाल में फंसा रहा है? श्रद्धा भिस्ट (नोयोनतारा), अर्जुन चक्रवर्ती (सुरजो) और नारायणी शास्त्री (ललिता) के मुख्य किरदारों से सजी 'नोयोनतारा' का प्रीमियर 9 जून को रात 8:30 बजे होगा, और फिर रोज़ाना इसी समय पर केवल कलर्स पर प्रसारित होगा। नोयोनतारा की भूमिका को जीवंत करने के लिए तैयार, श्रुति भिस्ट कहती हैं, नोयोनतारा जैसे सुपरनेचुरल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक चुनौती है। यह एक ऐसी दुनिया की कहानी है जहां ज़िंदा लोगों ने रहस्यों का पर्दा ओढ़ा हुआ है और मरे हुए अक्सर वैसे नहीं होते जैसे वे दिखाई देते हैं। इस शो की सबसे दिलचस्प बात यह है कि दर्शकों को आत्माओं को लेकर बिल्कुल अनपेक्षित नज़रिया देखने को मिलेगा — अच्छी आत्माएं, रक्षक आत्माएं, और वे जिन्हें अब तक गलत समझा गया है। मेरा किरदार कोई मजबूर या डरी हुई लड़की का नहीं है, वह एक योद्धा है, रक्षक है, जिसने आत्माओं से बातें करने के अपने वरदान को अपनाया है। वह जीवन और मृत्यु के बीच की नाजुक रेखा को समझदारी से पार कर रही है। यह किरदार उसकी अंदरूनी शक्ति और दूसरों के दर्द, नुकसान और मृत्यु के बाद बची गूंजों से जूझ रहे लोगों की मदद करने की अटूट इच्छा के कारण बेहद पसंद आया। कलर्स के साथ पहली बार काम करने को लेकर नारायणी शास्त्री कहती हैं, नोयोनतारा कलर्स के साथ मेरा पहला सहयोग है, और मैं इस सफर की शुरुआत के लिए इससे बेहतर व चुनौतीपूर्ण भूमिका सोच भी नहीं सकती थी। मैं जिन दो किरदारों को निभा रही हूं, उनके बीच का दमदार विरोधाभास मुझे पहले ही नैरेशन में पसंद आ गया था। एक तरफ़ है एक चालाक, ताकत की भूखी और दूसरों को बहकाने वाली महिला, और दूसरी ओर एक प्रबल, रक्षक स्वभाव वाली महिला, जो प्यार और अंतर्ज्ञान से प्रेरित है। दोनों एक ही छत के नीचे रहती हैं, लेकिन उनकी ऊर्जा और इरादे एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। इन दोनों भावनात्मक रूप से विपरीत भूमिकाओं में ढलना और उन्हें अलग-अलग हाव-भाव व प्रोत्साहन से जीवंत करना मेरे लिए एक रचनात्मक अनुभव रहा है। जो बात मुझे इस कहानी में सबसे ज्यादा पसंद आई, वो यह है कि रहस्य के बीच भी यह कहानी बहुत ही वास्तविक मानवीय संघर्ष को छूती है — सच और भ्रम के बीच के संघर्ष को समझना। मैं दर्शकों को इस लगातार चलने वाले संशय के खेल को महसूस कराने के लिए उत्साहित हूं, जहां आप कभी भी पूरी तरह नहीं समझ पाते हैं कि कौन रक्षक है और कौन भक्षक।

आरसीबी की खिताबी जीत के बाद फूट-फूटकर रोए विराट कोहली, वीडियो हुआ वायरल

अहमदाबाद (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का 18 साल का इंतजार आखिरकार मंगलवार को खत्म हो गया. जब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आरसीबी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना मेडन खिताब जीता.

आईपीएल 2025 फाइनल में जब यह स्पष्ट हो गया कि आरसीबी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतेगी, तो आरसीबी की रीढ़ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रो पड़े. कोहली के फूट-फूटकर रोने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है.

खिताबी जीत के बाद उन्होंने अपने पूर्व साथी और दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज एबी डिविलियर्स को गले लगाया, जो आरसीबी द्वारा पंजाब किंग्स के खिलाफ 6 रन से फाइनल जीतने के बाद मैदान में आए थे. आधिकारिक प्रसारकों से बात करते हुए, विराट की भावनाएं, जिनकी वाइफ, अभिनेत्री अनुष्का शर्मा, स्टैंड से उन्हें चियर्स कर रही थीं, स्पष्ट थीं.

कोहली ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह दिन आएगा. यह एक अद्भुत एहसास है. मेरे पास ऐसे क्षण हैं जब मैंने इसके विपरीत सोचा. मेरा दिल बैंगलोर के साथ है.

आरसीबी के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने वाले कोहली ने कहा, यह जीत प्रशंसकों के लिए है! मैंने इस टीम को अपनी युवावस्था, अपना सर्वश्रेष्ठ और अपना अनुभव दिया है. यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है. इसके लिए अपना सबकुछ देने के बाद, आखिरकार आईपीएल जीतना... यह एक शानदार एहसास है.

इस मैच में विराट कोहली, रजत पाटीदार की अगुवाई वाली टीम के लिए शीर्ष स्कोरर थे, क्योंकि उन्होंने 43 रन बनाए, जिससे आरसीबी को 190 रन बनाने और उसे बचाने में मदद मिली. बता दें कि, कोहली ने अपने युवा दिनों के दौरान, अपने सर्वश्रेष्ठ समय में, और अब सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी होने के नाते, आरसीबी के लिए सब कुछ किया. जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) शुरू हुआ, तब उन्होंने एक युवा खिलाड़ी के रूप में इस टीम के साथ शुरुआत की थी, और 18 साल बाद, वह सबसे अनुभवी खिलाड़ी थे. कोहली ने खेल के बाद दर्शकों को छुआ और उनकी आंखों में आंसू आ गए, वे खुशी के आंसू थे.

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल नास्दाक पर सूचीबद्ध

(भारतीय मेडटेक स्टार्ट-अप को न्यूयॉर्क के नास्दाक पर किया सूचीबद्ध)

विश्वस्तरीय मंच पर भारतीय मेडिकल टेक्नोलॉजी को नया आयाम देते हुए स्वदेशी एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम का निर्माता एसएस इनोवेशन्स आज न्यूयॉर्क सिटी में नास्दाक मार्केट साइट के साथ जुड़ गया है। कंपनी के शेयरों को टिकर सिंबल 'एसएसआईआई' के तहत सूचीबद्ध किया गया है। विदित हो कि एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम को अब न सिर्फ भारत बल्कि नेपाल, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, फिलीपीन्स, इंडोनेशिया और यूक्रेन में मार्केटिंग के लिए अनुमोदन मिल गया है। कार्यक्रम का नेतृत्व एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल के संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव ने किया। उनके साथ कंपनी की मैनेजमेन्ट टीम, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य, मुख्य सलाहकार और विशेष अतिथि भी मौजूद रहे। यह उपलब्धि भारत के लिए गौरव का पल है, जो

आधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी में देश के बढ़ते नेतृत्व तथा भारतीय मूल के स्वास्थ्यसेवा समाधानों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिल रही लोकप्रियता की पुष्टि करती है।

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने अपने चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित एवं पेटेंटेड एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के साथ उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे देश भर की 75 लोकेशनों में 80 अस्पतालों में इंस्टॉल किया जा चुका है। कंपनी ने नेपाल, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, फिलीपीन्स, इंडोनेशिया, श्री लंका और यूक्रेन में अंतर्राष्ट्रीय मौजूदगी भी स्थापित की है। 100 से अधिक सर्जिकल प्रक्रियाओं में 4000 से अधिक रोबोटिक सर्जरियों को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद एसएसआई मंत्रा ने किफायती एवं आधुनिक रोबोटिक सर्जरी को बड़ी संख्या में मरीजों तक पहुंचाया है। आने वाले समय में यूरोप और यूएस में विस्तार की योजनाओं के साथ एसएस इनोवेशन्स ने मेडिकल रोबोटिक्स के क्षेत्र में अपने आप को ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर लिया है तथा दुनिया भर में हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी को आकार देने में भारत की भूमिका को मजबूत बनाया है।

घरेलू यात्रियों में वृद्धि से भारत का टूरिज्म सेक्टर 2035 तक 42 लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा - रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर का योगदान देश की अर्थव्यवस्था में 2035 तक बढ़कर 42 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि देश को प्रतिस्पर्धी बने रहने और इस सेक्टर की विकास की गति को बनाए रखने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेस्टिनेशन मार्केटिंग में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों द्वारा देश में किया जाने वाला खर्च प्री-कोविड स्तर को पीछे छोड़ते हुए ऑल-टाइम हाई 3.1 लाख करोड़ रुपए रहा था। इस दौरान घरेलू यात्रियों ने करीब 15.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए थे, जो कि 2019 के मुकाबले 22 प्रतिशत अधिक है।

इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूटीटीसी की ओर से बताया गया कि भारत के ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर में 2035 तक नौकरियों की संख्या बढ़कर 6.4 करोड़ तक पहुंच जाएगी, जो कि फिलहाल 4.65 करोड़ पर है। हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट 2025' में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था कि ग्लोबल इकोनॉमी में 10 प्रतिशत योगदान टूरिज्म सेक्टर का होता है और मुझे यकीन है कि ग्लोबल पैरामीटर के तहत 2030 तक हमारा पर्यटन क्षेत्र भी देश की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान देगा। हम इस विजन पर तेजी से काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत के टूरिज्म सेक्टर को प्रमोट करने और वैश्विक स्तर पर देश की क्षमता को बढ़ाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर क्रिएशन पहली जरूरत थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सड़कें, एक्सप्रेसवे और डेढ़ लाख किलोमीटर के हाइवे बने, नया मॉडर्न रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हुआ। नए एयरपोर्ट्स बने।

उन्होंने आगे कहा, हालांकि, अभी भी बहुत से काम किए जाने बाकी हैं। फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत है। भविष्य में 3,000 एयरक्राफ्ट्स आने वाले हैं। एयरक्राफ्ट्स की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि दुनिया का भारत को देखने का नजरिया बदल रहा है।

अदाणी पोर्ट्स ने मई में कार्गो हैंडलिंग का नया रिकॉर्ड बनाया

अहमदाबाद। मई का महीना देश के लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए ऐतिहासिक रहा है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने वैश्विक मानकों पर देश की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए 4.18 करोड़ टन कार्गो हैंडलिंग का नया बेंचमार्क स्थापित किया, जो कंपनी के लिए सर्वकालिक रिकॉर्ड है।

पिछले साल की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि केवल एक आंकड़ा नहीं है ड्ड यह देश में तेजी से विकसित हो रहे आर्थिक ढांचे और बुनियादी ढांचे के विकास की मजबूत नींव का प्रमाण है। अदाणी पोर्ट्स के शानदार प्रदर्शन के मुख्य चालक कंटेनर ट्रैफिक (साल-दर-साल आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि) और ड्राई कार्गो (साल-दर-साल 17 प्रतिशत की वृद्धि) थे।

वैश्विक बंदरगाह कंपनियां जब मंदी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से जूझ रही हैं, एपीएसईजेड ने न केवल स्थिरता बनाए रखी है, बल्कि तेजी से विस्तार भी किया है।

कंपनी ने इस साल मई तक कुल 7.93 करोड़ टन कार्गो हैंडलिंग की है, जो साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। कंटेनर हैंडलिंग में 21 प्रतिशत की वृद्धि एपीएसईजेड की परिचालन दक्षता और तकनीकी उन्नयन को उजागर करती है।

Public Works Department

Sector-19, North Block, Naya Raipur (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

E-mail: tenders-pwd.cg@gov.in

NIT No. 134/TC/EinC/PWD/2025-26 Dated- 30.05.2025

The Engineer-in-Chief, Public Works Department on behalf of Governor of Chhattisgarh invites percentage rate bids on electronic tendering system under RCPLWE RRP-II in the district of Kanker for construction of 01 High Level Bridge with estimated cost amounting Rs 294.11 Lacs including their maintenance for five years from the contractors registered with unified registration system (e-registration) in Chhattisgarh. Non registered bidders may submit bid; however the successful bidder must get registered in appropriate class under "Unified Registration System (e-Registration) of Chhattisgarh before signing the agreement.

The bid document shall be available to bidders online free of cost and should be submitted online e-procurement system of government of Chhattisgarh in https://eproc.cgstate.gov.in. Bids form will be available on the website from 30.05.2025 and may be submitted up to 17:00 Hrs. on 10.06.2025.

For participating in bidding process, bidders are required to register in the above web-site with nominal fee of Rs 500/- to be paid onine to service provider. For submission of the bids, the bidder is required to have a Digital Signature Certificate (DSC) from authorized certifying authorities.

The bidders are required to submit (a) original bid security in approved form and (b) original affidavit duly verified and notarized as per clause 4.4 B (a) (ii) and 4.4 B (c) to Chief Engineer, Tender Cell, First Floor, Nirman Bhawan, PWD, North Block, Sector-19, Naya Raipur Atal Nagar (C.G.) 492-002 as per provisions of bid document through Speed/ Registered post, failing which the bids shall be declared non-responsive.

Detailed schedule of important dates may be seen on notice board of offices and also available on website of Public Works Department http://pwd.cg.nic.in

Chief Engineer
(Central Tender Cell)
Office of Engineer-In-Chief
P.W.D.Nava Raipur
Atal Nagar (C.G.)

G-252601322/3

कार्यालय कलेक्टर, जिला - नारायणपुर (छत्तीसगढ़)
(आदिवासी विकास शाखा)

दूरभाष (कार्यालय) 07781-252881, (फैक्स) 252920
Email-collector.assttw.narayanpur@gmail.com

क्रमांक/1503/आ.वि. / निर्माण / 2025-26 नारायणपुर दिनांक 28.05.2025

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यों के लिए कार्यालय कलेक्टर (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) जिला नारायणपुर के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत डी श्रेणी एवं इसमें उपर श्रेणी के ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ.आर. पद्धति ई-टेंडरिंग के माध्यम से विकासखण्ड ओरछा के निम्नानुसार 06 ग्रामों में बहु-उद्देशीय केन्द्र (एम. पी. सी.) भवन निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. ई निविदा प्रारंभ तिथि - 30.05.2025 प्रातः 10:00 बजे से
2. ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 24.06.2025 सायं 5:00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र की चालान एवं अमानत राशि (एफ. डी. आर .) प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट से) - 26.06.2025 सायं 5:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि - 30.06.2025 प्रातः 11:00 बजे से

ऑनलाईन निविदा क्रमांक	बहु-उद्देशीय केन्द्र (एम.पी.सी.) भवन निर्माण कार्य हेतु स्थान का नाम	निविदा की राशि (लाखो में)	अमानत राशि (रू. में)
169336, 169355, 169356, 169358, 169359, 169404	तुमेरादि, ग्राम पंचायत गारपा । हिकपाड़, ग्राम पंचायत कस्तुरमेटा । मेटानार, ग्राम पंचायत मेटानार । कोडलियार, ग्राम पंचायत कुतुल । कटुलनार, ग्राम पंचायत कलमानार । हतलानार, ग्राम पंचायत झारावाही	57.88 (प्रत्येक हेतु)	43413.00 (प्रत्येक हेतु)

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर में देखे जा सकते हैं।

टीप :- उपरोक्त कार्यों हेतु निविदा प्रपत्र का मूल्य 3000.00 एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि 6 माह की होगी।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास नारायणपुर

G-252601348/1

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 06 जून 2025

आईएएस सौरभ कुमार को केंद्र में मिली पोस्टिंग, बनाए गए डायरेक्टर रेवेन्यू

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के 2009 बैच के आईएएस सौरभ कुमार के सेंट्रल डेपुटेशन के लिए भारत सरकार ने पोस्टिंग आदेश जारी कर दिया है। उन्हें डायरेक्टर रेवेन्यू बनाया गया है। सौरभ कुमार इस समय नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हैं। चार जिलों के कलेक्टर- सौरभ कुमार दंतेवाड़ा, रायपुर, बिलासपुर और कोरबा जिले के कलेक्टर रह चुके हैं। इससे पहले वे बिलासपुर और रायपुर नगर निगम के कमिश्नर, चिप्स सीईओ का दायित्व निभा चुके हैं। दंतेवाड़ा कलेक्टर रहने के दौरान उन्हें प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त हुआ था। सौरव प्रयागराज के मोतीलाल नेहरु राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान से बीटेक करने के बाद यूपीएससी क्लियर कर आईएएस बनें।

संक्षिप्त समाचार

छगन मुंदडा के निवास पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह का स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह आज रायपुर पधारे थे। अपने संक्षिप्त प्रवास के दौरान उन्होंने ने छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, छ.ग. राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष श्री छगन मुंदडा के निवास पर पधारकर उनके परिवार जनों से आत्मीय मुलाकात कर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। सभी परिवार जनों ने उनका हार्दिक स्वागत अभिनंदन किया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर ने एक पेड़ माँ के नाम थीम के तहत एक प्रेरक पहल के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया, जिसमें पर्यावरण चेतना को प्रोत्साहित किया गया और प्रकृति के माध्यम से मातृत्व का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति (प्रभारी) डॉ. आर.आर.एल. बिराली, कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा, संकाय सदस्यों और उत्साही छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही। साथ मिलकर सभी ने हरियाली और स्थिरता को बढ़ावा देते हुए यूनिवर्सिटी परिसर में विभिन्न प्रकार के पेड़ लगाए। यह नेक कार्य माताओं के प्रति एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि और पर्यावरण के प्रति हमारे कर्तव्य की एक शक्तिशाली याद दिलाता है। सभी ने मजबूत संदेश दिया- आइए आज प्रकृति का पोषण करें, बेहतर कल के लिए- पर्यावरण बचाएँ, एक पेड़ लगाएँ।

'एक पेड़ माँ के नाम' ने परिसर में वृक्षारोपण अभियान को किया प्रेरित

यात्रियों की सुविधा के लिए विधायक सुनील सोनी ने किया यात्री टिकट सेवा केन्द्र टिकरापारा का शुभारंभ

रायपुर शहर के टिकरापारा में यात्रियों को मिलेगी अनारक्षित/ आरक्षित टिकिट की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। यात्री टिकट सेवा केंद्र (वाईटीएसके) भारतीय रेलवे की यात्रियों बिना किसी परेशानी के रेलवे यात्रा के लिए सुगमता अनारक्षित/ आरक्षित टिकट उपलब्ध करने की महत्वपूर्ण योजना है। इसी कड़ी में रेलवे द्वारा रायपुर शहर के टिकरापारा में रायपुरवासियों की सुविधा के लिए वाई टी एस के की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसका दिनांक 05 जून, 2025 को माननीय विधायक सुनील कुमार सोनी ने का शुभारंभ किया इस अवसर पर स्थानीय नागरिकगण, पार्षद, महिला मोर्चा अध्यक्ष, रायपुर मंडल के वाणिज्य विभाग के मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मनोज हाटी, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक ए. संतोष बाबू, वाणिज्य अधिक्षक (कोचिंग) आर प्रभाकर राव, वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक शिव प्रसाद उपस्थित रहे।

रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत टिकरापारा, जगन्नाथ काम्प्लेक्स यह 15 वां यात्री टिकट सेवा केंद्र है रायपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर 09, दुर्ग शहर के विभिन्न स्थानों पर 02, भिलाई में 02, धमतरी में 01, बेमेतरा में 01 यात्री टिकट सेवा केंद्र उपलब्ध है यह संबंधित संस्थानों को शहरो में टिकट बिक्री काउंटर स्थापित करने और आरक्षित और अनारक्षित रेलवे टिकट बेचने की अनुमति देता है। यात्री टिकट सेवा केंद्र (संचालक) कम्प्यूटरीकृत टर्मिनलों के माध्यम से आरक्षित रेल टिकिट बेचते हैं। वाईटीएसके की अवधारणा और शुरुआत आरक्षित और अनारक्षित दोनों तरह की टिकटों की सुविधाओं के विस्तार के उद्देश्य से की गई थी। इससे यात्रियों को लाभ होगा क्योंकि उन्हें स्टेशन जाने के बजाय नज़दीकी बाज़ार में वाईटीएसके से निर्धारित सर्विस चार्ज के साथ टिकट की सुविधा उपलब्ध रहेगी। रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी शहरों में इस योजना को लागू किया जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने वृक्षारोपण किया

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मनाया गया पर्यावरण दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर प्रतिवर्ष 05 जून को संपूर्ण राष्ट्र में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण से संबंधित अनेको कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आज दिनांक 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण के प्रति सभी लोगों में जन जागरूकता बढ़ाने हेतु मंडल रेल प्रबंधक दयानंद द्वारा शिवनाथ रेलवे कॉलोनी फेस-2, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में पौधारोपण किया गया। विभिन्न प्रकार के छायादार, फलदार, ऑक्सीजन बढानें के पौधे लगाये गए। रायपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2025 (22 मई से 5 जून) के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर पर्यावरण संरक्षण हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रम ों का आयोजन किया गया। इस वर्ष का अभियान केवल एक दिन तक सीमित न होकर एक विस्तारित चरणबद्ध में क्रियान्वित किया गया, जिसमें चरणबद्ध रूप से जागरूकता, संवाद, और व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित रही।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत यात्रियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के रायपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत खारून रेल विहार, स्वास्थ्य विभाग के साथ जागरूकता रैली, नुक्कड़ एवं जन संवाद एवं रायपुर रेलवे स्टेशन पर जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। प्लास्टिक के रोकथाम, जल संरक्षण एवं वृक्ष बचाने का सन्देश नाटक के माध्यम से दिया गया। खुद को रोको खुद को टोको अपने से शुरुआत कर जन जागरूक किया गया। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण का नुक्कड़ नाटक एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ अधिकारियों कर्मचारियों को दिलाई गई। पर्यावरण को बचाने के लिए अपनी दैनिक जीवन में हर संभव बदलाव लाने एवं अपने परिवार, मित्रों और अन्य लोगों को पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहारों के महत्व के विषय में सतत रूप से प्रेरित करने की बात कही।

'पर्यावरण रन' में श्री दावड़ा विश्वविद्यालय की सक्रिय भागीदारी, BA के छात्र राहुल को तीसरा पुरस्कार

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रायपुर के मरीन ड्राइव (तेलीबांधा) में आयोजित 'पर्यावरण रन-Let's Run for Nature' कार्यक्रम में भारी उत्साह और जनभागीदारी देखने को मिली। इस मैराथन दौड़ का उद्देश्य समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम सुबह 6 बजे आरंभ हुआ और 9 बजे तक चला।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में जगदलपुर के माननीय विधायक श्री किरण देव उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं और हमें अपने प्रत्येक कार्य में पर्यावरण का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों को हरित भविष्य की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

श्री दावड़ा विश्वविद्यालय ने इस कार्यक्रम में न केवल भागीदारी की, बल्कि एक संगठित और उत्साही उपस्थिति दर्ज कराई। विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों ने दौड़ में उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाया। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के ब्लूके छात्र राहुल ने इस मैराथन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिससे पूरे विश्वविद्यालय परिवार को गर्व की अनुभूति हुई। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के सीईओ श्री चिन्मय दावड़ा ने इस अवसर पर कहा कि श्री दावड़ा विश्वविद्यालय न केवल शिक्षा में बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। पर्यावरण रन में हमारी भागीदारी इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

निदेशक जनरल डॉ. चार्मी दावड़ा ने कहा कि छात्रों को पर्यावरणीय मुद्दों से जोड़ना और उन्हें सक्रिय बनाना आज की आवश्यकता है। हमें गर्व है कि हमारे छात्र और फैकल्टी पर्यावरण जागरूकता के ऐसे महत्वपूर्ण आयोजनों में अग्रसर हैं।

इस आयोजन में श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई, जिनमें रजिस्ट्रार श्री कुमार श्वेताभ, कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन डॉ. वरुण गंजीर, डिप्टी रजिस्ट्रार श्री विपिन श्रीवास्तव, असिस्टेंट रजिस्ट्रार श्री कमल, समस्त फैकल्टी सदस्य एवं छात्रगण शामिल रहे। उनकी संगठित उपस्थिति ने विश्वविद्यालय की टीम भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व को दर्शाया।

यह कार्यक्रम भास्कर फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें अंजनेया यूनिवर्सिटी, 94.3 रूह्ब स्वरू विस्तार न्यूज़, श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, IAM क्लब, लायंस क्लब रायपुर ईस्ट, पर्यावरण ब्रिगेड एवं अन्य संगठनों का सहयोग रहा। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पौधों का वितरण किया गया, ताकि वे अपने घरों और समुदायों में हरियाली को बढ़ावा दे सकें।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव आज से, आम की 200 से अधिक किस्मों एवं 56 भोग का किया जाएगा प्रदर्शन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 6, 7 एवं 8 जून, 2025 को कृषि महाविद्यालय परिसर रायपुर में ''फलों के राजा'' आम के राष्ट्रीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का शुभारंभ कल 6 जून, 2025 से किया जाएगा। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 200 से अधिक किस्मों एवं आम से बने 56 व्यंजनों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में आम की विभिन्न किस्मों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है जिसमें छत्तीसगढ़ एवं देश के विभिन्न राज्यों के आम उत्पादक शामिल होंगे। अवसर पर आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित हैं। आम की सजावट प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है जिसमें विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन भी पंजीयन कर भागीदारी कर सकते है। इस महोत्सव में पंजीयन एवं प्रवेश पूर्णतया नि:शुल्क है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रतियोगी भी सहभागी हो सकते हैं।

राष्ट्रीय आम महोत्सव में 6 से 8 जून, 2025 तक विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसमें किसानों द्वारा उत्पादित आम की व्यावसायिक किस्मों के अंतर्गत दशहरी, लंगडा, बाम्बे ग्रीन, चौसा, मालदा, हिमसागर, सुन्दरजा, केसर, अलफान्सो, तोतापरी, नीलम बैगनफल्ली, पैरी, सिन्दूरी, फज़ली किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। संकर किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत मल्लिका, आम्रपाली, पूसा अरूणिमा, अम्बिका, रत्ना, सिंधु, अर्का पुनीत किस्मों को शामिल किया गया है। विशिष्ट किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत हाथीझुल, नूरजंहा, लड्डू, गुलाब खास किस्मों के उत्पादक भाग ले सकते हैं। एक्जोटिक (आयातित किस्म) की प्रतियोगिता में मियाजाकी, टॉमी एटकिन्स एवं गोल्डन नगेट्स किस्मों को शमिल किया गया है। इस अवसर पर आम से निर्मित उत्पादों की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रतिभागी आम से निर्मित उत्पाद- नेक्टर/आर.टी.एस., शर्बत, पना, आम के अचार, आम की चटनी, आम पापड़, आमरस, जैम एवं मिठाई आदि व्यंजनों के साथ प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय आम महोत्सव में प्रतिभागियों हेतु आम आधारित मॉडल एवं बोनसाई, आम आधरित सजावट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रकृति की ओर सोसायटी की ओर से आम की पांच गुठलियाँ लाने वाले व्यक्तियों को एक उन्नत किस्म के आम का पौधा दिया जाएगा।

आयोजन के प्रथम दिवस 6 जून को प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक प्रविष्टियों का पंजीयन किया जाएगा। इसके पश्चात सामान्यजनों के लिए प्रदर्शनी अवलोकनार्थ तीनों दिन साय: 9 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में आम की विभिन्न किस्मों के फल, आम के विभिन्न उत्पाद एवं आम के पौधे भी विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे। द्वितीय दिवस 7 जून को आम उगाने वाले कृषकों एवं जिज्ञासुओं के लिए 12 बजे से 4 बजे तक ''आम उत्पादन : समस्या एवं समाधान'' विषय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ में उच्च गुणवत्ता के आम की विभिन्न किस्मों का उत्पादन, आम के विभिन्न उत्पाद एवं उनके विपणन के साथ ही आम उत्पादन हेतु छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की जायेगी, जिससे नयी पीढ़ी के लोग आम उत्पादन की ओर आकृष्ट हो सकें।

नवा रायपुर में राष्ट्रीय अकादमी की स्थापना को मिली मंजूरी

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के खेल परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 4 जून को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी की स्थापना को हरी झंडी दे दी गई है। यह अकादमी राज्य के युवाओं को तीरंदाजी के क्षेत्र में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं प्रदान करेगी, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। यह अत्याधुनिक अकादमी देश की चुनिंदा खेल संस्थाओं में से एक होगी, जिसमें खिलाड़ियों के लिए आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अकादमी के लिए नवा रायपुर के सेक्टर-03, ग्राम परसदा में 13.47 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित की गई है। इस भूमि के प्रीमियम, भू-भाटक और जीएसटी सहित कुल 39.22 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को की जाएगी।

प्रशासन की पहल पर बिल्डरों ने और अधिक क्षमता वाले रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार किया

अत्याधुनिक तकनीक वाले लगभग 80 से 100 रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाए

क्रेडाई सदस्यों ने जिला व निगम प्रशासन के साथ हुई बैठक में जानकारी की साझा

रायपुर (विश्व परिवार)। क्रेडाई छत्तीसगढ़ से संबंद्ध बिल्डरों ने हमेशा ही जिला प्रशासन व रायपुर नगर निगम के जनहित के प्रस्तावों पर अमल करते हुए कार्य किया है। शहर में लगातर गिरते वाटर लेवल को लेकर निगम प्रशासन जल संचय बढ़ाने प्रयासरत्त हैं, पिछले दिनों इसी कड़ी में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ क्रेडाई सदस्यों की हुई बैठक में कहा गया था कि बिल्डर्स अपने हर प्रोजेक्ट साइट पर और ज्यादा क्षमता वाले आधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार करें जिससे अधिक जल संचय हो सके। जिसका पालन करते हुए बिल्डरों ने करीब 80 से 100 ऐसे अत्याधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पीट तैयार किये हैं जिस पर प्रत्येक में करीब 2 लाख की लागत आयी है और इससे लाखों लीटर पानी संचय हो सकेगा।

इसकी समीक्षा बैठक कलेक्टर रायपुर डा.गौरव सिंह व नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के साथ क्रेडाई सदस्यों की हुई जिसमें क्रेडाई के अध्यक्ष पंकज लाहोटी व सचिव अभिषेक बच्छावत ने बताया कि वैसे तो हर बिल्डर्स अपने प्रोजेक्ट में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार करते ही हैं पर शासन की मंशा थी कि और अत्याधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार करें जिससे अधिक मात्रा में जल संचय हो सके। इसी का परिपालन करते हुए अलग-अलग साइट पर बिल्डरों ने 80 से 100 ऐसे आधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पीट बनाये हैं जिनसे काफी बड़ी मात्रा में जल संचय होगा, लगभग प्रत्येक पीट से लाखों लीटर जल संचित होंगे और यह वाटर लेबल को बढ़ाने में काफी उपयोगी साबित होगा। भले ही इस अतिरिक्त निर्माण पर दो लाख का खर्च (प्रत्येक सिस्टम) में आया है पर शासन की मंशा काफी अच्छी और दूरदृष्टि वाली है भविष्य को देखते हुए इसकी और भी जरूरत हैं और बिल्डर्स भी शासन के साथ कदमताल करते हुए आगे और भी निर्माण करेंगे।

उन्होने यह भी अवगत कराया कि क्रेडाई बिल्डर्स पूरी तरह सजग है जल बचाने और सभी अपने प्रोजेक्ट्स में इसका अनुसरण पहली प्राथमिकता के रुप में कर रहे हैं। प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होने हुए तैयार किए गए आधुनिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के कार्यो से अवगत कराया। बैठक में क्रेडाई सदस्यों ने जल संचय के लिए किए जा रहे हैं जिला व निगम प्रशासन के कार्यों की सराहना करते हुए यह भी आश्वस्त किया कि शहर के विकास व जनहित के विषयों पर क्रेडाई हमेशा प्रशासन के साथ हैं।

बैठक में जिला कलेक्टर डा.गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, क्रेडाई के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, चेयरमेन मृणाल गोलछा, सचिव अभिषेक बच्छावत, संजय रहेजा, ऋत्विक नत्थानी, ऋषभ कटारिया, आयुश मोदी व नवनीत अग्रवाल उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीरगांव में हुआ पौधरोपण, नगर निगम ने निकाली स्वच्छता रैली

शहर को प्लास्टिक मुक्त रखने सभी ने ली शपथ

रायपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के निर्देशन में प्रदेश में संचालित हो रहे हरित स्वच्छता अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन सहभागिता सुनिश्चित करने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीरगांव नगर निगम में सघन पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में महापौर नंदलाल देवांगन, सभापति कृपाराम निषाद, नेता प्रतिपक्ष ओम प्रकाश साहू, नगर निगम आयुक्त युगल किशोर उर्वशा सहित नगर निगम के एम.आई.सी. सदस्य, पार्षद व नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

सघन पौधरोपण के माध्यम से हरित क्षेत्र विकास हेतु वार्ड क्र.-1 में स्थित नउवा तालाब परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीरगांव नगर निगम द्वारा उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण जागरूकता हेतु स्वच्छता रैली का आयोजन भी हुआ जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूह, स्वच्छता दीदियां व स्थानीय नागरिक शामिल हुए। रैली के समापन पर सभी ने अपने शहर को स्वच्छ व प्लास्टिक मुक्त रखने की शपथ भी ली। बीरगांव नगर निगम द्वारा भू-जल संवर्धन, वर्षा जल संचयन, स्वच्छ वायु गुणवत्ता सुधार, हरित क्षेत्र विकास, जल-जनित बीमारियों की रोकथाम व स्वच्छता विषयक कई प्रबंध किये जा रहे हैं।

द.पू. म. रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा पर्यावरण दिवस मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा 5 जून 2025 को पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत डब्ल्यू आर एस रेलवे कॉलोनी में स्थित सेक्रो द्वारा संचालित टाइनी टॉट स्कूल में अध्यक्षा सेक्रो शिखा सिंह की उपस्थिती में उपाध्यक्षा अदिति अग्रवाल, सचिव रश्मि गुप्ता, सह सचिव अमृता शाह एवं सेक्रो सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। ज्ञात हो की प्रत्येक वर्ष पर्यावरण दिवस के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा पर्यावरण दिवस को प्राथमिकता देते हुए रेलवे कॉलोनियों में पौधरोपण कर इनकी देख रेख की जाती है, साथ ही कालोनीवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाता है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354